■ श्रावण शुक्ल - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 33 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 25-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अब उत्तर प्रदेश में कोई नहीं वसूल सकता गुंडा टैक्स : योगी

6 दुश्मनों की साजिशों पर भी चलेगा चन्द्रयान का बुलडोजर

7 अमिताभ बच्चन ने कहा, बहुत सक्षम कलाकार हैं शाहरुख खान

ब्रिक्स में 6 नए देश शामिल, अब बना 11 सदस्यीय समूह

अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहान्सबर्ग/वार्ता। ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक-कूटनीतिक समूह ब्रिक्स का विस्तार करके इसमें अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) छह नये देशों को बतौर पूर्ण सदस्य शामिल किया गया है।

ब्रिक्स के 15वें शिखर सम्मेलन के समापन अवसर पर मेज़बान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरल रामाफोसा ने ब्रिक्स नेताओं के एक संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिक्स के विस्तार का यह पहला चरण है और इन छह देशों की सदस्यता एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी। अगले चरण के लिए संभावित सदस्यों के नामों को, विचार के लिए अगली शिखर बैठक में रखा जाएगा। इस प्रकार से पांच सदस्यीय ब्रिक्स में अब 11 सदस्य हो जाएंगे।

रामाफोसा ने कहा, इस शिखर सम्मेलन ने ब्रिक्स, लोगों के बीच आदान-प्रदान और दोस्ती और सहयोग को बढ़ाने के महत्व की पुष्टि की है। हमने जोहान्सबर्ग की दो घोषणाओं को स्वीकार किया है, जो वैश्विक आर्थिक, वित्तीय और राजनीतिक महत्व के मामलों पर प्रमुख ब्रिक्स संदेशों को दर्शाते हैं। यह साझा मूल्यों को प्रदर्शित करता है। और सामान्य हित जो पांच ब्रिक्स देशों के रूप में हमारे पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग का आधार हैं। उन्होंने कहा, हम ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बनने के लिए अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को आमंत्रित करने के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए

क्षेत्र में शांति, एलएसी का सम्मान जरूरी : मोदी ने शी से कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर ''अनसुलझे'' मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

क्वात्रा के मुताबिक प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। विदेश सचिव ने कहा कि इस संबंध में, दोनों नेता अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की।

फर्स्ट टेक

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले को किया नाकाम

मास्को/वार्ता। रूस ने ब्रांस्क और कलुगा क्षेत्रों में तीन मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को नष्ट करके यूक्रेन के ड्रोन हमले को रोक दिया है। रूस रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के कहा, इस रात, विमान-प्रकार के मानव रहित हवाई वाहनों द्वारा आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के कीव शासन के प्रयास को विफल कर दिया गया। ब्रांस्क क्षेत्र में वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा दो यूएवी को नष्ट कर दिया गया। एक और यूक्रेनी ड्रोन का पता लगाया गया और कलुगा क्षेत्र के ऊपर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया में एक टन से अधिक भांग जब्त

सिडनी/वार्ता। ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया प्रांतीय पुलिस ने एक टन से अधिक भांग जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32.40 लाख डॉलर) है। विक्टोरिया पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने प्रांत में पांच आवासीय स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान, लगभग दो लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 1.30 लाख डॉलर) नकद और 745 से अधिक भांग के पौधे बरामद किए। इससे पहले, बुधवार को चलाए गए अभियान में भांग के 180 पौधे जब्त किए गए थे। गौरतलब है कि कथित तौर पर सिंडिकेट के सरगना पर बड़ी मात्रा में भांग की व्यावसायिक मात्रा में खेती और तस्करी करने तथा अपराध की आय रखने का आरोप था। इस बीच, एक महिला (44) पर व्यावसायिक मात्रा में भांग की खेती और तस्करी का आरोप लगाया गया।

जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण का दूसरा प्रयास विफल रहा : उत्तर कोरिया

प्योंगयांग/वार्ता। उत्तर कोरिया ने कहा है कि जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण करने का उसका दूसरा प्रयास विफल हो गया है। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह खबर दी है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया अक्टूबर में उपग्रह के तीसरे प्रक्षेपण का प्रयास करेगा। योनहाप ने पहले दक्षिण कोरिया की सेना का हवाला देते हुए बताया था कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को एक तथाकथित 'अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान' प्रक्षेपित किया।

सूर्यास्त 24-08-2023	सूर्योदय 25-08-2023
6:35 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
65,252.34	19,386.70
(-180.96)	(-57.30)

सोना	चांदी
6,122 रु.	75,660 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

प्रज्ञानंद चूके, कार्लसन ने जीता फिडे विश्व कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू/वार्ता। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद का इतिहास रचने का सपना तोड़ते हुए गुरुवार को आखिरकार फिडे विश्व कप का फाइनल जीत लिया। दो दिन में दो गेम ड्रॉ होने के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लसन ने टाईब्रेक के पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए 31वीं वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद को मात दी, जबकि सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोक लिया।

पांच बार विश्व चैंपियनशिप जीत चुके कार्लसन ने इससे पहले कभी भी विश्व कप नहीं जीता था। इस टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2021 में आया जब वह तीसरे स्थान पर रहे थे। कार्लसन को इस जीत के लिये एक लाख दस हज़ार डॉलर के इनाम से नवाज़ा जायेगा, जबकि प्रज्ञानंद को 80,000 रुपये मिलेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास बहाल करना जी-20 सदस्यों की जिम्मेदारी : मोदी

जयपुर/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महामारी से लेकर भू-राजनीतिक तनाव तक मौजूदा वैश्विक चुनौतियों ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली है और जी-20 देशों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। मोदी गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से वीडियो लिंक के माध्यम से राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जी-20 सदस्यों की एक परिवार के रूप में सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं में विश्वास बहाल करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वैश्विक व्यापार प्रणाली को धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधिक और समावेशी भविष्य में परिवर्तित करने को सुनिश्चित करने के लिए कार्य समूह सामूहिक रूप से आगे बढ़ेगा।

यूपीआई-लाइट से अब 500 रुपए तक का ऑफलाइन लेनदेन : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इंटरनेट से वंचित या कमजोर सिग्नल वाले इलाकों में यूपीआई-लाइट वॉलेट के जरिये ऑफलाइन भुगतान की अधिकतम राशि बृहस्पतिवार को 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दी। हालांकि, किसी भुगतान मंच पर यूपीआई-लाइट के जरिये अब भी कुल 2,000 रुपए की ही राशि का लेनदेन किया जा सकता है। आरबीआई ने ऑफलाइन माध्यम से छोटी राशि वाले डिजिटल भुगतान की सीमा बढ़ाने का परिपत्र जारी करते हुए कहा, ऑफलाइन भुगतान लेनदेन की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है।

7800 करोड़ के हथियारों की खरीद को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली/वार्ता। सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 7800 करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को आज स्वीकृति प्रदान की जिसमें हेलीकॉप्टरों पर इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, थल सेना की मानव रहित निगरानी एवं रसद परिवहन की स्वायत्त प्रणाली एवं नौसेना के हेलीकॉप्टरों को नये हथियारों से लैस करने के प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भारतीय वायु की दक्षता बढ़ाने के लिए फोर्स, डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद और फिट करने के लिए एओएन प्रदान किया, जो हेलीकॉप्टरों की क्षमता को बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना यानी इन्फैन्ट्री और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए भी एओएन प्रदान किया है जो मानवरहित निगरानी, गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों में बेहतर काम करने में सक्षम होगा।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में इंदौर रहा अव्वल

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। देश के सबसे साफ-सुथरे नगर इंदौर ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीपीसीबी के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में 200 में से सर्वाधिक 187 अंक हासिल किए। सर्वेक्षण में आगरा 186 अंकों के साथ दूसरे और ठाणे 185.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। सीपीसीबी ने आबादी की अलग-अलग श्रेणियों में कुल 130 शहरों द्वारा प्राणा पोर्टल पर डाली गई स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट और संबद्ध दस्तावेजों को परखने के बाद स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 की रैंकिंग तय की।

रोवर 'प्रज्ञान' लैंडर 'विक्रम' से बाहर निकला, चंद्रमा की सतह पर घूमेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। चंद्रमा की सतह पर पहुंचे चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर मॉड्यूल (एलएम) से रोवर 'प्रज्ञान' बाहर निकल आया है। इस प्रकिया पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने कहा, भारत ने चांद पर सैर की।

अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर इसरो ने कहा कि रोवर बाहर निकल आया है।

इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 रोवर : 'मेड इन इंडिया - मेड फॉर मून'। चंद्रयान-3 का रोवर लैंडर से बाहर निकल आया है और भारत ने चांद की सैर की। आधिकारिक सूत्रों ने पहले ही लैंडर 'विक्रम' से रोवर 'प्रज्ञान' के सफलतापूर्वक बाहर निकलने की पुष्टि कर दी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'प्रज्ञान' को सफलतापूर्वक लैंडर से बाहर निकालने के लिए इसरो की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा, विक्रम' के चंद्रमा की सतह पर लैंड करने के कुछ घंटे बाद रोवर का बाहर निकलना चंद्रयान-3 के एक और चरण की सफलता को दर्शाता है। मैं अपने देशवासियों और वैज्ञानिकों के साथ पूरे उत्साह से उस जानकारी और विश्लेषण की प्रतीक्षा कर रही हूं जो 'प्रज्ञान' हासिल करेगा और चंद्रमा के बारे में हमारे ज्ञान को समृद्ध करेगा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।

।। श्री विमलनाथाय नमः।। ।। शिवसुखदायक श्री शांतिनाथाय नमो नमः।। ।। श्री गौतमस्वामिने नमः।।
।। सागर के उपकारी तीर्थ योगनिष्ठ आचार्यश्री मद् बुद्धि-कीर्ति-कैलाश-सुबोध-मनोहर-कल्याण-पद्म-वर्धमान-विनय -विवेक- महेन्द्रसागरसूरीसद्गुरुभ्यो नमः।।

श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ

तपस्या करता करता हो ... एल..एन. पुरम, श्रीरामपुरम, बेंगलूरु के तत्वावधान में डंका जोर बजाया है...

115 अट्ठाई तपस्वियों का भव्य वरघोड़ा
सामूहिक अट्ठाई का प्रत्याख्यानोत्सव एवं तपस्वी अभिनंदन समारोह

शुभ दिन : श्रावण शुक्ल दशम, शनिवार, 26.8.2023
स्थल : प्रिंसेस गोल्फ, पैलेस ग्राउंड, गेट नं. 9 बेंगलूरु

मंगलकारी तपागच्छाधिपति प.पू. आचार्यश्री मनोहरकीर्तिसागर सूरीश्वरजी म.सा.
आशीर्वाददाता राष्ट्रसंत परम पूज्य आचार्यश्री पद्मसागरसूरीश्वरजी म.सा
पावनकारी सान्निध्य
जन-जन के आस्था के केन्द्र मुनिराजश्री राजपद्मसागरजी म.सा.
मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा.

सकल श्री संघ को भावभरा आमंत्रण

मंगलमय कार्यक्रम
सुबह नवकारशी : सुबह 7 से 8 बजे
भव्य वरघोड़ा : सुबह 8.05 बजे , प्रत्याख्यान 9.15 बजे
प्रातः 10.00 बजे : संतों द्वारा मंगल प्रवचन धर्मसभा
तपस्वी अभिनंदन : सुबह 11 बजे
संघ स्वामीवात्सल्य : मध्याह्न 12.05 बजे

अट्ठाई तपोत्सव निमित्ते लाभार्थी परिवार

तिलक द्वारा अभिनंदन श्रीमती कमलाबाई जयंतिलालजी भंडारी	तपस्यार्थी का बहुमान-अभिनंदन साधर्मिक भाई
माला द्वारा अभिनंदन शा. मनसुखजी अभिषेकजी कोठारी	सांझी लाभार्थी परिवार संघवी विनोदकुमारजी शंकरलालजी
श्रीफल द्वारा अभिनंदन शा. सुरेशजी प्रीतमजी मेहता	मेहन्दी लाभार्थी परिवार शा अमरचन्दजी मनोजकुमारजी गांधी
शाल चुनरी द्वारा अभिनंदन शा. रमेशचन्दजी चेतनजी भंडारी	भगवान को रथ में लेकर विराजना शा. कांतिलालजी रूपचन्दजी खिंवेसरा

अट्ठाई तपोत्सव रथ लाभार्थी परिवार
1- शा शांतिलालजी दिनेशकुमारजी खिंवेसरा
2 - संघवी माणकचन्दजी मंगलचन्दजी आच्छा
3 - शा अमरचन्दजी मनोजकुमारजी गांधी
4 - श्रीमती कमलबाई जयंतिलालजी भंडारी
5- संघवी विनोदकुमारजी शंकरलालजी
6 - श्रीमती संघवी पुष्पाबाई रायचन्दजी
7 - शा सुरेशकुमारजी भूरमल भंडारी
8 - शा रमेशचन्दजी चेतनकुमारजी भंडारी
9 - शा हस्तीमलजी अशोककुमारजी देसरला

प्रातः कालीन नवकारशी व प्रथम पारणा लाभार्थी परिवार
शा. सुरेशकुमारजी-इन्दुदेवी, मदनलालजी-कवितादेवी, प्रकाशचन्द-रुपादेवी, विनोद, कृष, दिव्यांश, बेटा पोता श्रीमती शांतिबाई भूरमलजी भंडारी, मरुधर में डुडसी, बेंगलूरु

संघ स्वामीवात्सल्य लाभार्थी परिवार
संघवी माणकचन्दजी, उत्तमचन्दजी, सीए नरेन्द्रकुमारजी, गौतमचन्दजी, दिलीपकुमारजी, सीए पंकजकुमारजी एवं समस्त आच्छा परिवार, बेटा पोता श्रीमती सुगनीबाई मंगलचन्दजी लालचन्दजी आच्छा परिवार, मरुधर में बिलावास, बेंगलूरु

निवेदक : श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ (ट्रस्ट) बेंगलूरु

चंद्रयान-3 की सफलता से अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक अनुबंधों को बढ़ावा मिलेगा : इसरो के पूर्व प्रमुख नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख जी. माधवन नायर ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता से भारत की तकनीकी क्षमता और प्रक्षेपण प्रणालियों को स्वीकृति मिलेगी, जिसके चलते देश के अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक अनुबंधों को और बढ़ावा मिलेगा।

नायर ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता ग्रहों पर अन्वेषण शुरू की दिशा में भारत का पहला कदम है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने वास्तव में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अच्छी शुरुआत की है।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि देश के पास पहले से ही यूरोप और अमेरिका के साथ कई वाणिज्यिक अनुबंध हैं, और अब 23 अगस्त को तीसरे चंद्र मिशन की सफलता के साथ ये बढ़ेंगे। नायर ने कहा, निश्चित रूप से दुनिया के लोग हमारी तकनीकी क्षमता, हमारी प्रक्षेपण प्रणाली और अंतरिक्ष यान आदि की गुणवत्ता को स्वीकार करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के एजेंडे में रहा है और आने वाले दिनों में इसे मजबूत किया जाएगा।

इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 की कुल लागत केवल 615 करोड़ रुपए है जो देश में किसी बॉलीवुड

फिल्म के निर्माण के बजट के लगभग बराबर है। अंतरिक्ष अभियान में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' बुधवार शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे देश चांद के इस क्षेत्र में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा चंद्र सतह पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

नायर ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिकों की पगार विकसित देशों के वैज्ञानिकों के वेतन का पांचवां हिस्सा है और शायद यही कारण है कि वे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए किफायती तरीके तलाश सके।

नायर ने अन्य देशों की तुलना में बेहद कम कीमत वाले साधनों के जरिए अंतरिक्ष में खोज के भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के इतिहास के बारे में कहा, इसरो में वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और अन्य कर्मियों को जो वेतन भत्ते मिलते हैं वे दुनिया भर में इस वर्ग के लोगों को मिलने वाले वेतन भत्तों का पांचवां हिस्सा हैं। इसका एक लाभ भी है। उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों में कोई भी लखपति नहीं है और वे बेहद सामान्य जीवन जीते हैं। नायर ने कहा, हकीकत यह है कि वे धन की कोई परवाह भी नहीं करते, उनमें अपने मिशन को लेकर जुनून और प्रतिबद्धता होती है। इस तरह हम ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिक बेहतरीन योजना बनाकर और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के जरिए ये उपलब्धि हासिल कर सके।

इसरो के पूर्व प्रमुख के अनुसार, हम एक-एक कदम से सीखते हैं। जो हमने अतीत में सीखा है, हम अगले मिशन में उसका इस्तेमाल करते हैं। हमने करीब 30 वर्ष पहले ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के लिए जो इंजन बनाया था उसी का इस्तेमाल भूस्थैतिक उपग्रह प्रक्षेपण यान में भी किया जाता है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल सिन्हा ने श्रीनगर के मंदिर में 'छड़ी मुबारक' की पूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने महादेव गिर दशनामी अखाड़ा में श्री अमरनाथजी छड़ी मुबारक की पूजा-अर्चना की। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और सभी की शांति, समृद्धि, खुशी तथा कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इस दौरान भगवान शिव की पवित्र छड़ी के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि भी मौजूद थे।

प्रवक्ता ने कहा कि श्रावण शुक्ल पंचमी के अवसर पर छड़ी-पूजन दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन से पहले का एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। उन्होंने कहा, छड़ी मुबारक यात्रा संबंधी पारंपरिक अनुष्ठान के बाद पवित्र छड़ी को 26 अगस्त को श्री अमरनाथजी गुफा में ले जाया जाएगा। पूजा-अर्चना के बाद, गिरि ने संवाददाताओं से कहा कि परंपरा के मुताबिक पवित्र छड़ी का सम्मान करने के लिए राज्य के प्रमुख दशनामी अखाड़े का दौरा करते हैं।

गिरि ने कहा, 1989 से पहले, राज्य के प्रमुख सम्मान देने के लिए आते थे। जब तक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला जीवित थे, इस अवसर पर लगभग 20,000 लोगों की एक बड़ी सभा होती थी और वह इसे संबोधित करते थे।

चंद्रयान-3 मिशन में निजी क्षेत्र की कंपनियों का बड़ा योगदान रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चंद्रमा की सतह पर बुधवार को सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाले इसरो के चंद्रयान-3 अंतरिक्षयान के विकास में अनेक निजी कंपनियों का योगदान रहा है। कंपनियों की सूची और उनका योगदान:

- टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड (टीसीई) ने अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए अद्वितीय और स्वदेशी रूप से निर्मित महत्वपूर्ण प्रणालियों और उप-प्रणालियों का निर्माण किया। टीसीई ने ठोस प्रणोदक संयंत्र, यान संयोजन भवन और मोबाइल लॉन्च पेडस्टल का निर्माण किया।
- लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने भारत के चंद्र मिशन, चंद्रयान-3 के लिए विभिन्न घटकों की आपूर्ति की है। कंपनी ने बताया कि 'मध्य खंड और नोजल बकेट फ्लैंज' जैसे घटकों का निर्माण पवई में उसके केंद्र में किया गया था, जबकि भूमि और उड़ान अंबिलिकल प्लेट का उत्पादन कोयंबटूर में उसके एयरोस्पेस विनिर्माण संयंत्र में किया गया था।
- वालचंदनगर इंडस्ट्रीज ने चंद्र मिशन यान के घटकों, पहले चरण के बूस्टर और 80 फुट ऊंचे और 12 फुट से अधिक व्यास वाले 'फ्लेक्स नोजल कंट्रोल टैंक' का निर्माण किया।
- गोदरेज एंड बॉयस ने इसरो के सबसे भारी लांचर एलएमवी3 (लॉन्च व्हीकल मार्क 3) पर मुख्य चरण के लिए एल110 इंजन और ऊपरी चरण के लिए सीई20 इंजन थ्रस्ट चैंबर के निर्माण में योगदान दिया है।
- सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स ने एलवीएम3 एम4/चंद्रयान-3 मिशन के लिए 200 से अधिक मिशन-केंद्रित मॉड्यूल और उप प्रणालियां प्रदान कीं।
- अनंत टेक्नोलॉजीज (एटीएल) ने ऑन-बोर्ड कंप्यूटर, नौवहन प्रणाली, नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीमेट्री और पावर सिस्टम जैसे कई एवियोनिक्स पैकेज की प्राप्ति में प्रक्षेपण यान (एलवीएम 3) में योगदान दिया।
- ओमनीप्रजेंट रोबोटिक टेक्नोलॉजीस लिमिटेड ने प्रज्ञान रोवर पर तस्वीरों के लिए इस्तेमाल सॉफ्टवेयर डिजाइन किया।
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने चंद्रयान-3 में गए रोवर और लैंडर के लिए धातु और मिश्रित संरचनाएं, सभी प्रणोदक टैंक और बस संरचना में योगदान दिया।
- भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने लैंडर मॉड्यूल और प्रोपल्शन मॉड्यूल के लिए लिथियम आयन बैटरी और टाइटेनियम मिश्र धातु प्रोपेलेंट टैंक का निर्माण किया।
- मिश्र धातु निगम (मिधानि) ने चंद्र मिशन में उपयोग किए जाने वाले प्रक्षेपण यान के विभिन्न घटकों के लिए कोबाल्ट बेस मिश्र धातु, निकल बेस मिश्र धातु, टाइटेनियम मिश्र धातु और विशेष इस्पात जैसी महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति की।
- केरल खनिज और धातु (केएमएमएल) ने महत्वपूर्ण घटकों के लिए टाइटेनियम स्पंज मिश्रधातु की आपूर्ति की।

इनके अलावा केरल के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों केलट्रॉन, केएमएमएल, एसआईएफएल, टीसीसी, केएएल और सिडको ने चंद्रयान-3 में योगदान दिया है।

केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि राज्य की 20 निजी कंपनियों ने भी इस ऐतिहासिक मिशन में योगदान दिया है।

चंद्रयान-3 से चंद्रमा पर जीवन की संभावना और सौर मंडल के रहस्यों को जानने में मिलेगी मदद : वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में 'चंद्रयान-3' की सफलता के बाद अनंत संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सबसे महत्वपूर्ण चुनौती चांद के दुर्गम दक्षिणी ध्रुवीय इलाके में पानी की मौजूदगी की संभावना की पुष्टि और खानिज एवं धातुओं की उपलब्धता का पता लगाने की होगी।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इन अध्ययनों से चंद्रमा पर जीवन की संभावना एवं सौर मंडल की उत्पत्ति के रहस्यों से परदा हटाने में भी मदद मिलेगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर शांतब्रत दास ने पीटीआई भाषा को बताया, चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव बेहद दुर्गम और कठिन क्षेत्र है। इसमें 30 किलोमीटर तक गहरी घाटियां और 6-7 किलोमीटर तक ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र आते हैं। इस इलाके में लैंडिंग करना ही अपने आप में काफी चुनौतिपूर्ण कार्य था। उन्होंने बताया कि चंद्रमा के इस हिस्से में कई इलाके ऐसे हैं जहां सूर्य की किरणें पड़ी ही नहीं हैं। ऐसे में यहां जमे हुए पानी के महत्वपूर्ण भंडार हो सकते हैं। चंद्रयान-1 से इस बारे में संकेत भी मिले थे। प्रो. दास ने बताया कि 'प्रज्ञान' रोवर पर दो पेलोड लगे हैं। इसमें पहला 'लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप' है जो चांद की सतह पर मौजूद रसायनों की मात्रा और गुणवत्ता का अध्ययन करने के साथ ही खनिजों की खोज करेगा। दूसरा पेलोड 'अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर' है जो तत्वों एवं अवयवों की बनावट का अध्ययन करेगा और मैग्नीशियम, अल्यूमिनियम, सिलिकान, पोटैशियम, कैल्शियम, टिन, लोहे के बारे में पता लगाएगा।

चंद्रमा पर धातुओं एवं खनिजों की उपलब्धता के बारे में एक सवाल के जवाब में आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर दास ने कहा, मैं वहां धातुओं एवं खनिजों की मौजूदगी से इंकार नहीं कर रहा। लेकिन यह कितनी मात्रा में होगी, यह महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने बताया कि चंद्रमा की मिट्टी की संरचना का अध्ययन करने से यह बात सामने आई है कि इसका औसत घनत्व 3.2 ग्राम प्रति क्यूबिक सेंटीमीटर है जो पृथ्वी के औसत घनत्व 5.5 ग्राम प्रति क्यूबिक सेंटीमीटर से करीब करीब आधा है। चंद्रमा की उत्पत्ति पृथ्वी के बाद हुई है, ऐसे में वहां भारी धातुओं की मौजूदगी की मात्रा अध्ययन का विषय होगी।

सुशासन को लेकर विकासखंडों की राष्ट्रीय रैंकिंग शुरू करेगी सरकार: अधिकारी

इंदौर/भाषा। मप्र के छतरपुर जिले की तर्ज पर केंद्र सरकार सुशासन को लेकर देशभर के विकासखंडों की राष्ट्रीय रैंकिंग जल्द शुरू करेगी। खास बात है कि विकासखंडों के नागरिकों और पंचायतों के जन प्रतिनिधियों की राय भी रैंकिंग के 63 पैमानों में शामिल होगी। सरकार के अधिकारी ने इंदौर में 26वें राष्ट्रीय ई-प्रशासन सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान यह जानकारी दी।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के संयुक्त सचिव एनबीएस राजपूत ने बताया, ''छतरपुर जिले में सुशासन को लेकर सभी विकासखंडों की रैंकिंग की जाती है। इस मॉडल के आधार पर हम देशभर के विकासखंडों के लिए जल्द ही एक रैंकिंग शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि विकासखंड सुशासन सूचकांक के नाम से शुरू की जाने वाली इस राष्ट्रीय रैंकिंग में विकासखंडों के काम-काज को शिक्षा और जन शिकायत निवारण समेत 10 क्षेत्रों के 63 पैमानों पर आंका जाएगा।

प्याज निर्यात शुल्क का विरोध : शिंदे ने केंद्र सरकार से खरीद केंद्र बढ़ाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से प्याज के लिए खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने को कहा है। प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के केंद्र के 19 अगस्त के फैसले के खिलाफ किसानों और व्यापारियों के विरोध के बीच मुख्यमंत्री का बयान आया है।

शिंदे ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार प्याज किसानों का समर्थन करती है। उन्होंने एक बयान में कहा, हमने केंद्रीय कृषि और वाणिज्य मंत्रालयों से खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। शिंदे ने कहा, वर्तमान में नेफेड द्वारा स्थापित 13 केंद्रों पर खरीद की जा रही है। अब तक 500 मीट्रिक टन प्याज की खरीद की जा चुकी है। किसानों के पास प्याज की उपलब्ध मात्रा को देखते हुए हमने अनुरोध किया है कि खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए।

केंद्र ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह 2,410 रुपए प्रति क्विंटल की दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगा और नासिक एवं अहमदनगर में विशेष खरीद केंद्र स्थापित करेगा। बढ़ती कीमतों के संकेतों और आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए इसके निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया।

हैदराबाद में रेस्तरां कर्मी की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के एक रेस्तरां में काम कर रहे 35 वर्षीय व्यक्ति की एक अज्ञात शख्स ने गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। मृतक पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार रात मियापुर की है, जब व्यक्ति रेस्तरां से अपने घर जाने के लिए निकल रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि हेलमेट पहने एक अज्ञात व्यक्ति ने होटल के बाहर देशी तमंचे से व्यक्ति को एक के बाद एक कई गोलियां मारीं।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक पिछले नौ महीने से शहर के एक होटल में काम कर रहा था। हमलावर पीड़ित को पांच गोलियां मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

टीवीएस ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन 'टीवीएस एक्स' किया जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। टीवीएस मोटर कंपनी ने भारत और विदेशों में युवा आबादी को लक्षित करते हुए अपने प्रीमियम इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर दोपहिया वाहन टीवीएस एक्स का अनावरण किया है।

कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, इसे करीब 2.50 लाख रुपए की प्रारंभिक कीमत पर जारी किया गया। यह उच्च-प्रदर्शन बैटरी पैक से लैस है। टीवीएस मोटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के. एन. राधाकृष्णन ने कहा, टीवीएस एक्स 2,49,990 रुपए (एक्स-शोरूम बेंगलूरु) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा। पोर्टेबल

950वॉट चार्जर 16,275 रुपए (जीएसटी सहित) पर और तीन किलोवॉट का एक स्मार्ट एक्स होम रैपिड चार्जर भी विकल्प के रूप में उपलब्ध है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा, हम युवा आबादी (मिलेनियल्स व जेन जी) को लक्षित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के लिए प्रौद्योगिकी तथा नवाचार का उपयोग करने की कंपनी की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

Linkedin

भारतीय पेशेवर कार्यस्थल पर एआई कौशल का इस्तेमाल कर रहे हैं: लिंक्डइन

नई दिल्ली/भाषा। कामकाज की दुनिया में कृत्रिम मेधा (एआई) की बढ़ती प्रमुखता के बीच भारतीय पेशेवर एआई कौशल को अपना रहे हैं। 2016 के बाद से ऐसे कुशल कर्मियों की संख्या 14 गुना बढ़ी है। लिंक्डइन ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

लिंक्डइन की पहली वैश्विक 'फ्यूचर ऑफ वर्क: स्टेट ऑफ वर्क एट एआई' रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2016 की तुलना में जून 2023 में भारत में एआई-कुशल पेशेवरों की संख्या 14 गुना बढ़ गई। इसके साथ ही भारत अब सिंगापुर, फिनलैंड, आयरलैंड और कनाडा के साथ उन शीर्ष पांच देशों में शामिल हो गया है, जहां एआई कौशल में वृद्धि हुई है।

कामकाजी पेशेवरों के मंच 'लिंक्डइन' की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष कार्यस्थलों में एआई के उपयोग में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि ने भारत में सभी श्रमिकों में से 60 प्रतिशत और युवा (ज़ेन जी) पेशेवरों में से 71 प्रतिशत को यह मानने के लिए प्रेरित किया है कि एआई कौशल प्राप्त करने से पेशेवर संभावनाएं बढ़ सकती हैं। लिंक्डइन की रिपोर्ट के मुताबकि तीन में से दो भारतीयों का कहना है कि वे 2023 में कम से कम एक डिजिटल कौशल सीखेंगे।

एआई और मशीन लर्निंग उन शीर्ष कौशलों में से हैं जिन्हें वे सीखना चाहते हैं। लिंक्डइन इंडिया के 'कंट्री मैनेजर' आशुतोष गुप्ता ने कहा कि पेशेवर दुनिया में एआई भविष्य को आकार देता है।

एआई के लिए व्यापक कानूनी, नियामकीय ढांचे की जरूरत: ब्रेड स्मिथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन एवं अध्यक्ष ब्रेड स्मिथ ने कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए व्यापक कानूनी एवं नियामकीय ढांचा बनाने के साथ एआई प्रणाली में सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले उपायों की भी वकालत की है।

जी20 के व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत दौर पर आए स्मिथ ने अपने एक ब्लॉग में एआई को लेकर दुनियाभर में जताई जा रही आशंकाओं पर व्यापक चर्चा शुरू करने का आह्वान करते हुए कहा है कि जी20 का अध्यक्ष भारत इस दिशा में काफी मददगार हो सकता है। उन्होंने 'एआई में भारत के लिए अवसर' शीर्षक से लिखे इस ब्लॉग में भारत के विशेष संदर्भ में पांच प्रमुख सुझाव दिए हैं। इनमें से एक सुझाव यह है कि सरकार की अगुवाई में नया एआई सुरक्षा प्रारूप बनाने और उसे अमलीजामा पहनाने की जरूरत है।

स्मिथ ने कहा कि एआई प्रशासन के विविध पहलुओं को

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारगर बनाने के लिए एक बहुपक्षीय प्रारूप की जरूरत होगी। यह प्रारूप कई देशों के नियमों एवं कानूनों को एकसूत्र में जोड़ने का काम करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि किसी एक देश में सुरक्षित बताई गई एआई प्रणाली दूसरे देश में भी सुरक्षित मानी जाए। उन्होंने इस दिशा में विमानन क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों को एक नजीर बताते हुए कहा कि एआई प्रणाली के लिए बहुपक्षीय प्रारूप इसी आधार पर तैयार किया जा सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ने कहा, जी20 का मौजूदा अध्यक्ष और एआई पर वैश्विक भागीदारी का प्रमुख होने के नाते भारत एआई से जुड़े मसलों पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाने में मदद के लिए एकदम सही जगह पर है। उन्होंने कहा कि एआई के नियमन को लेकर भारत के प्रयासों को कई देश एक उदाहरण के तौर पर लेंगे।

ठप खड़े विमानों को परिचालन में लाने के लिए कदम उठा रही है इंडिगो : सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बृहस्पतिवार को शेयरधारकों से कहा कि वह इंजन समस्या के कारण कुछ विमानों के उड़ान नहीं भर पाने की स्थिति से निपटने के लिए कई कदम उठा रही है। साथ ही कंपनी के लिए फिर से सकारात्मक नेटवर्थ हासिल करने को लेकर काम जारी है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटर ग्लोब एविएशन के सीईओ पीटर एल्बर्स ने 20वीं सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि उसका लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 10 करोड़ ग्राहकों का स्वागत करने का है। कंपनी की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है और वह अपने परिचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाने को लेकर ध्यान दे रही है। एयरलाइन 300 से अधिक विमानों का परिचालन करती है।

विमानों के ठप खड़े रहने के शेयरधारकों के सवाल के जवाब में एल्बर्स ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए तुर्की एयरलाइंस के साथ सहयोग सहित कई उपाय किए जा रहे हैं। हम विमानों के उड़ान नहीं भरने की स्थिति से निपट रहे हैं। इसके लिए उपाय किए जा रहे हैं...।

जस्ता उत्पादन बढ़ाएगी हिंदुस्तान जिंक, दुनिया की बेहतरीन कंपनियों में होगी शामिल : चेयरपर्सन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुस्तान जिंक लि. की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी जस्ते का उत्पादन बढ़ाकर 15 लाख टन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा हिंदुस्तान जिंक को दुनिया की उम्दा कंपनी बनाने का लक्ष्य है। जस्ते का उपयोग बैटरी और दवाओं में किया जाता है।

कंपनी की सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब 21वीं सदी के भारत का आर्थिक इतिहास लिखा जाएगा, तो हिंदुस्तान जिंक की बदलाव की कहानी का अपना

एक अध्याय होगा।

हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) वर्ष 1996 में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में स्थापित हुई थी। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने अगस्त, 2002 में कंपनी में नियंत्रक हिस्सेदारी वेदांता समूह की कंपनी स्टरलाइट इंडस्ट्रीज को लगभग 769 करोड़ रुपए में बेच दी थी।

हिंदुस्तान जिंक आज स्विट्जरलैंड की कंपनी ग्लेनकोर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी जस्ता-सीसा खनन करने वाली कंपनी है। यह अब दुनिया में चांदी उत्पादकों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हो गई है। उन्होंने कहा कि कई गुना लाभ बढ़ने के साथ जस्ता, सीसा और चांदी की उत्पादन क्षमता भी बढ़कर 11 लाख टन हो गई है जो 2002 में दो लाख टन सालाना थी।

कंपनी की चेयरपर्सन ने कहा, और हमने अभी तक काम पूरा नहीं किया है... हिंदुस्तान जिंक भारत में उद्योग में अग्रणी है। एक दिन हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में शामिल होंगे।

प्रिया ने कहा कि जस्ता देश की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस क्षेत्र में कम से कम तीन-चार प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है और हिंदुस्तान जिंक ने अपने उत्पादन को 10 लाख टन से बढ़ाकर 15 लाख टन सालाना करने की योजना बनाई है।

हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं दी।

हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन ने कहा, हमारे वृद्धि प्रयासों में क्षमता विस्तार, लंबे समय तक खानों को बनाए रखने, लागत को बेहतर करने और ग्राहक केंद्रित होना शामिल है। हम इन उपायों के माध्यम से उत्पादों का विस्तार करने के साथ टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ेंगे।

गुरुवार को बेंगलूरु के इसरो मुख्यालय में जाकर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इसरो प्रमुख वैज्ञानिक सोमनाथ और अन्य वैज्ञानिकों का सम्मान किया।

'चंद्रमा पर विक्रम लैंडर एक ऐतिहासिक उपलब्धि'

मुख्यमंत्री ने इसरो प्रमुख सोमनाथ को भेंट किया गुलदस्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ को हार्दिक बधाई देते हुए फूलों की गुलदस्ता भेंट किया। उन्होंने शॉल और पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। इसरो मुख्यालय में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने वैज्ञानिकों से मुलाकात के दौरान डॉ. सोमनाथ और अन्य वैज्ञानिकों को गुलदस्ता भेंट किया।

इसरो वैज्ञानिकों को बधाई देने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। इसरो की उपलब्धि की सराहना की जानी चाहिए और बधाई दी जानी चाहिए। इसरो की उपलब्धियों से पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। रूस, अमेरिका और चीन के अलावा भारत चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से पर कदम रखने वाला दुनिया का चौथा देश है। उन्होंने कहा, हम सभी को इसरो की उपलब्धि की सराहना करनी चाहिए और बधाई देनी चाहिए। चंद्रयान-3 बुधवार को एक ऐतिहासिक घटना में शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा जिसका पूरा देश ने उत्सव मनाया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा की इस अज्ञात सतह पर उतरने वाला पहला और इसकी सतह पर उतरने वाला अमेरिका, चीन और तत्कालीन सोवियत संघ के बाद चौथा देश बन गया। कल शाम छह बजकर चार मिनट पर लैंडर विक्रम के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग के करीब ढाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान लैंडर से बाहर आया और चहलकदमी शुरू कर दी। इसरो ने कहा ,भारत ने चंद्रमा पर सैर की। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) कहा , 'रोवर लैंडर विक्रम से बाहर निकल आया । चंद्रयान-3 रोवर: भारत में निर्मित-चंद्रमा के लिए निर्मित! रोवर, लैंडर से बाहर निकला और भारत ने चंद्रमा पर सैर शुरू की!'

राज्यपाल ने अभिनंदन पत्र में इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ और टीम की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ को हार्दिक बधाई दी। यह प्रशंसा गुरुवार को एक फोन कॉल पर दी गई, जिसके बाद एक हार्दिक बधाई पत्र भेजा गया। राज्यपाल ने गहरी सराहना व्यक्त करते हुए कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की खोज चंद्रयान -3 मिशन की सफलता के साथ एक उल्लेखनीय मील के पत्थर तक पहुंच गई है। चंद्रयान -3 'अमृत काल' की सुबह में सफलता की पहली रोशनी है।

मानव जाति की शुरुआत से ही हमने चंद्रमा को देखा है और इसे अपने दिमाग पर अपना जादू चलाने दिया है। चंद्रमा ने हमें सपने देखने वालों में बदल दिया है। चंद्रयान-3 भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति और अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुझे भारत की शानदार अंतरिक्ष यात्रा में यह मील का पत्थर बनाने के लिए आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए आप और आपके वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की टीम पर गर्व है, जो हर भारतीय को गौरवान्वित करता है।

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग एक ऐतिहासिक क्षण है जो न केवल जिज्ञासा को बढ़ाता है बल्कि हमारे युवाओं के मन में अन्वेषण के लिए एक जुनून भी जगाता है।

यह गर्व और एकता की गहरी भावना पैदा करता है क्योंकि हम सामूहिक रूप से भारतीय विज्ञान की शक्ति का जश्न मनाते हैं और तकनीकी। जादू और विज्ञान का विलय और चंद्रमा के हमारी पकड़ में आने से 1.4 अरब भारतीयों के मन में नए सपने जगमगाएंगे। एक बार फिर मैं आपको और आपकी टीम के सभी सदस्यों को भारत को गौरवान्वित करने के लिए उनके समर्पण और उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

कर्नाटक सरकार इसरो की टीम को सम्मानित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' को ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार इसके लिए इसरो की टीम को आधिकारिक तौर पर सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी।

मुख्यमंत्री ने यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 'टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क' (आईएसटीआरएसी) का दौरा किया और सफल लैंडिंग के लिए इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ और उनकी टीम को बधाई दी।

सिद्दरामैया ने वहां इसरो वैज्ञानिकों और अधिकारियों से बातचीत की और उनकी उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा, सरकार विधान सौधा के सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करके इसरो के अध्यक्ष (एस) सोमनाथ और उनकी टीम को आधिकारिक तौर पर सम्मानित करेगी। कर्नाटक के लगभग 500 वैज्ञानिक इस मिशन का हिस्सा थे।

सिद्दरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसरो की पहल के लिए सरकार की ओर से पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। उन्होंने अंतरिक्ष एजेंसी को 'देश का गौरव' करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'वैज्ञानिकों ने इस उपलब्धि के लिए दिन-रात मेहनत की है। इस परियोजना में देश के कुल 1,000 वैज्ञानिक शामिल हैं और लगभग 500 लोग बेंगलूरु से ही हैं।'उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह की तारीख दो सितंबर के बाद तय की जाएगी। 'लैंडर विक्रम' और 'रोवर प्रज्ञान' से लैस भारत का चंद्र मिशन चंद्रयान-3 बुधवार शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरा और भारत चंद्रमा पर पहुंचने वाले चार विशिष्ट देशों के क्लब में शामिल हो गया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया।

उच्चतम न्यायालय में कावेरी विवाद मामले को लेकर कर्नाटक सरकार करेगी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय में कावेरी जल छोड़ने के लिए तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर याचिका को लेकर बहस करेगी।

सिद्दरामैया ने कहा, कर्नाटक इस मामले पर बहस करेगा, क्योंकि तमिलनाडु सरकार ने एक याचिका दायर कर पानी छोड़ने की मांग की है। हमारे रुख के अनुसार, तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि उच्तम न्यायालय पहले ही 25 फरवरी 2018 को तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी जल विवाद पर अंतिम फैसला दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ष में कर्नाटक को बिलीगुंडलू से 177.25 टीएमसी पानी छोड़ना चाहिए, लेकिन संकट में छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा तय नहीं की गई है क्योंकि संकट फॉर्मूला परिभाषित नहीं किया गया है।

इससे पहले, उन्होंने कावेरी नदी जल विवाद पर चर्चा के लिए बुधवार को यहां आयोजित एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी। उच्तम न्यायालय में अपने नए आवेदन में तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक को अपने जलाशयों से तुरंत 24 हजार क्यूबिक फुट प्रति सेकंड पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की। आवेदन में कहा गया है कि कर्नाटक को बिलीगुंडलू में अपने जलाशयों से 11 अगस्त को 15 दिनों के लिए 15हजार क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था लेकिन कर्नाटक सीडब्ल्यूआरसी के निर्देशानुसार 10 हजार क्यूसेक (प्रति दिन 0.864 टीएमसी) की निर्धारित मात्रा जारी करने के निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने में विफल रहा।

भारतीय क्रिकेटरों का अनुकूलन शिविर में हुआ 'यो-यो' परीक्षण, केएल राहुल पर फोकस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एशिया कप 2023 से पहले भारतीय क्रिकेटरों ने गुरुवार को फिटनेस ड्रिल्स' का कड़ा अभ्यास किया जिसमें 'यो-यो' परीक्षण भी शामिल था। इस अभ्यास में मौजूद सभी खिलाड़ी 'यो-यो' परीक्षण में खरे उतरे। हैरानी की बात नहीं है कि विराट कोहली इसमें सबसे ज्यादा 17.2 अंक हासिल करने में सफल रहे। यह परीक्षण छह दिवसीय अनुकूलन शिविर और कौशल निखारने के लिए लगे इस शिविर का हिस्सा है।

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने फिटनेस पैरामीटर 16.5 रखा है। पता चला है कि यहां केएससीए-अलूर मैदान पर कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और वनडे टीम के उप कप्तान हार्दिक पंड्या भी ड्रिल्स' में अन्य खिलाड़ियों के साथ शामिल थे और परीक्षण में सफल रहे। इसकी जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, टेस्ट में सभी सफल रहे और रिपोर्ट जल्द ही बीसीसीआई को भेजी जायेगी।

चार खिलाड़ियों (जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा) के शुक्रवार को शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। ये चारों आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने के बाद डबलिन से बेंगलुरु पहुंचेंगे।

गुरुवार को 'यो-यो' टेस्ट को छोड़कर ड्रिल्स' ज्यादातर इंडोर ही करायी गयी लेकिन शुक्रवार से आउटडोर अभ्यास बढ़ाया जायेगा। आयरलैंड से लौट रहे खिलाड़ियों का 'यो-यो' टेस्ट नहीं कराया जायेगा बल्कि उन्हें शिविर के कौशल निखारने वाले हिस्से में शामिल किया जायेगा।

पीटीआई ने बुधवार को खबर दी थी कि शिविर के दौरान खिलाड़ियों के कई पैरामीटर की जांच की जायेगी जैसे लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, यूरिक एसिड, कैल्सियम, विटामिन बी12 और डी, क्रेटनिन, टेस्टोस्टेरोन और डेक्सा परीक्षण। आउटडोर गतिविधियों में मैच सिम्युलेशन' (मैच की तरह की परिस्थिति में अभ्यास) सत्र शामिल होंगे जिसकी निगरानी बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ रखेंगे। टीम प्रबंधन केएल राहुल की प्रगति पर नजर लगाये है। राहुल भी फिटनेस ड्रिल्स में शामिल थे लेकिन उनका 'यो-यो' परीक्षण नहीं किया गया। राहुल को भारत की एशिया कप की टीम में शामिल किया गया है और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज को हल्की चोट लगी है जो उनकी पिछली चोट से संबंधित नहीं है। संजू सैमसन को एशिया कप टीम में 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर राहुल के कवर के रूप में शामिल किया गया है।

टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए(का स्टाफ राहुल की बल्लेबाजी फिटनेस से संतुष्ट है लेकिन विकेटकीपिंग जिम्मेदारियों को लेकर इस खिलाड़ी की तैयारी पर और अधिक स्पष्टता की जरूरत है।

झील से कमल तोड़ते बाप-बेटा डूबे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के दोड्डबल्लापुर शहर के पास भूचनहल्ली झील से कमल तोड़ते एक शख्स और उसका बेटा डूब गए। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान डोड्डाबल्लापुर शहर के शांतिनगर निवासी पुट्टाराजू (42) और केशव (14) के रूप में की गई।

पुलिस के अनुसार, वे दोनों बुधवार को बिक्री के लिए झील से कमल इकट्ठा करने गए थे। शुक्रवार के वरमहालक्ष्मी उत्सव में कमल के फूलों की मांग रहती है। पुलिस का कहना है कि बाप-बेटा बिना गहराई जाने झील में घुस गए थे और फूल तोड़ते समय डूब गए। उन्होंने अपने जूते और मोबाइल झील के किनारे छोड़ दिए थे, इस पर एक अन्य फूल विक्रेता की नजर पड़ी और उसने परिवार को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन शाम होने के कारण शवों का पता नहीं चल सका। अग्निशमन बल और आपातकालीन सेवाओं के अधिकारियों ने आज सुबह शव बरामद किए। डोड्डाबेलावंगला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खरीददारी

बेंगलूरु में गुरुवार को कृष्णराज मार्केट में वरमहालक्ष्मी त्यौहार के लिए खरीददारी करते हुए लोग। शुक्रवार को मनाई जाने वाली वरमहालक्ष्मी त्यौहार के मद्देनजर लोगों ने जमकर फूल, फल आदि की खरीददारी की।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की परियोजनाओं के कार्यान्वयन की बैठक

योजनाओं को समय अवधि के भीतर पूरा करें : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग की बजट 2023-24 में घोषित योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए आज मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। नरेगा योजना के तहत 5000 गौशाला क्षेत्र, 50 हजार चारागाह क्षेत्र, 2 लाख सूखा राहत कार्य, 81 हजार बाढ़ नियंत्रण कार्य और 4268 भूस्खलन रोकथाम कार्य किये जायेंगे। 27903 गांवों में कब्रिस्तान की भूमि को शांतिधाम के रूप में विकसित करने का कार्य किया जाएगा। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि 5000 स्कूल मैदानों को विद्याधामों में अपग्रेड किया जाएगा। 750 ग्राम संथे और 27 हजार ट्यूबवेल पुनर्वास कार्य लागू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने निर्देश दिया कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र में मल्टी विलेज पेयजल योजना के तहत कितना काम हो चुका है। और कितने घरों में पेयजल की आपूर्ति हो रही है इसका दौरा कर जांच रिपोर्ट दी जाए।

ग्राम पंचायत पुस्तकालयों को ज्ञान केंद्रों के रूप में उन्नत करके और डिजिटल शिक्षण सामग्री, पेशेवर मार्गदर्शन प्रणाली, संवैधानिक शैक्षिक प्रणाली, विशेष दिमाग के अनुकूल प्रौद्योगिकी और कुशल व्यक्तियों द्वारा ज्ञान अधिग्रहण जैसी सुविधाएं प्रदान करके योजना को अच्छी तरह से कार्यान्वित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर इसे सप्ताहांत में भी खोला जाए तो छात्रों को सुविधा होगी। इस योजना से विद्यार्थियों, स्कूल न जाने वाले बच्चों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे तीन साल के अंदर लागू किया जाये।

'नर्सरी होम' जैसा कि बजट में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए छह साल से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के लिए नर्सरी के नाम पर चार हजार नर्सरी खोलने का सुझाव दिया।

मंत्री प्रियांक खरगे ने बताया कि मुख्यमंत्री फेलोशिप के लिए 24 महीने की अवधि के लिए प्रत्येक तालुक से एक कुशल युवा स्नातक का चयन करने के लिए 10 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर 25-25 लाख की लागत से 400 सामुदायिक शौचालय परिसरों का निर्माण कार्य क्रियान्वित करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन परियोजना के तहत 800 गांवों का काम पूरा हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में सूखे अपशिष्ट निपटान की निरंतरता और वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए 27 जिलों में से प्रत्येक में 2 करोड़ की लागत से एक पुनर्प्राप्ति सुविधा का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि चालू वर्ष में 22 करोड़ रुपये दिये जायेंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मुख्य सचिव वंदिता शर्मा, मुख्यमंत्री के उप मुख्य सचिव डॉ. रजनीश गोयल, आयुक्त अंजुम परवेज उपस्थित थे।

होटल में रखे सिलेन्डर से विस्फोट

बेंगलूरु। यहां आडगुड़ी में एक होटल में रखे गैस सिलेन्डर में से गैस लीक होने से हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं दो अन्य घायल हो गए।

घटना बुधवार रात को घटी। जब चिक्कलक्ष्मैय्या लेआउट में होटल पोलमस में विस्फोट हो गया। विस्फोट के समय होटल के बाहर चबूतरे पर तीन लोग सो रहे थे। जिसमें किचन में प्रमुख काम करने वाला रसोया रवि की घटना स्थल पर मौत हो गई वहीं अन्य दो असम मूल के नागराजू और रामचुलार जो होटल में काम करते थे, घायल हो गए।

एक्स कॉर्प को मंत्रालय के आदेश का अनुपालन दिखाने का एक और अंतिम मौका : अदालत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक्स कॉर्प (पूर्ववर्ती ट्विटर) को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का अनुपालन दर्शाने वाली सामग्री जमा करने का 'एक और आखिरी मौका' दिया है। एक्स कॉर्प के वकील ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वराले और न्यायमूर्ति एमजीएस कमल की पीठ को सूचित किया कि वह अपने मुवक्किल के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने समय मांगा।

अदालत ने कार्यवाही 15 सितंबर तक स्थगित कर दी और स्पष्ट किया कि कंपनी को यह अंतिम अवसर दिया जा रहा है। अदालत ने कहा, 'आज अपीलकर्ता के वकील ने इस आधार पर स्थगन की प्रार्थना की कि वह निर्देश की प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसलिए एक और आखिरी अवसर दिया गया है। अपील पर सुनवाई 15 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है।'

रेल पहिया कारखाना
यलहंका, बेंगलूरु-560064
वेबसाइट: www.rwf.indianrailways.gov.in
निविदा सूचना सं: आरडब्ल्यूएफ/पीसीईई/ईएल/टीडी/2023-24/05 दिनांक : 23/08/2023
ई-निविदा: भारत के राष्ट्रपति के ओर से, उप मुख्य इलेक्ट्रिकल अभियंता ने भारतीय रेलवे ई-पोर्टल http://www.ireps.gov.in (काम) पर निम्नलिखित कार्यों के लिए इलेक्ट्रॉनिक टेंडर आमंत्रित की हैं।
निविदा संख्या/ विवरण/ अनुमानित मूल्य रु./ ईएमडी रु.: आरडब्ल्यूएफ/पीसीईई/ईएल/टीडी/2023-24/05 दिनांक : 23/08/2023 /रेल पहिया कारखाना, यलहंका, बेंगलूरु -64 के 66 केवी मुख्य रिसिविंग स्टेशन (एमआरएस) में नए सीआई पाइप अर्थ इलेक्ट्रोड की स्थापना/रु.32,15,745/- / रु.64,300/-
नियत तिथि और समय : 14/09/2023 15:30 बजे. निविदा विवरण हमारी वेबसाइट www.rwf.indianrailways.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल अभियंता

चंद्रयान-3 के रोवर ने चंद्रमा की सतह पर चहलकदमी की

चेन्नई/दक्षिण भारत । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान -3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के करीब ढ़ाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान ने सतह पर आकर चहलकदमी की। इसरो के सत्रों ने बताया कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के बाद लैंडर से करीब ढाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान बाहर निकला। छह पहियों वाला रोवर चांद की स्तर पर चहलकदमी कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र अध्यक्ष पवन गोयनका एक्स किया, भारत का चंद्रमा रोवर लैंडर से बाहर आ गया है और रैंप पर है। उन्होंने लैंडर से बाहर आते रोवर की पहली तस्वीर और रैंप पर की भी तस्वीर पोस्ट की।

इसरो के चंद्रयान-3 ने चंद्रमा उस 'गहरे अंधेरे', सर्वाधिक ठंडे और दुर्गम छोर 'दक्षिणी ध्रुव' को साहसिक कदमों से चूमा है जहां आज तक कोई भी देश नहीं पहुंच पाया है। भारत के वैज्ञानिकों ने बुधवार को चंद्रमा की दुनिया में अभूतपूर्व इतिहास रचा दिया। भारत के लिए 23 अगस्त की शाम छह बजकर चार मिनट ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ गौरवपूर्ण क्षण रहा।चंद्रयान-3 आज वहां पहुंच गया जहां इससे पहले कोई भी देश नहीं पहुंच पाया था। चंद्रमा पर उतरने वाले पिछले सभी अंतरिक्ष यान चंद्रमा के भूमध्य रेखा के पास के क्षेत्र पर उतर चुके हैं क्योंकि यह आसान और सुरक्षित है। इस इलाके का तापमान उपकरणों के लंबे समय तक और निरंतर संचालन के लिए अधिक अनुकूल है। वहां सूर्य का प्रकाश भी है जिससे सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों को नियमित रूप से ऊर्जा मिलती है।

चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्र की स्थिति बिल्कुल अलग है यानी मुश्किलों से भरा है। कई हिस्से सूरज की रोशनी के बिना पूरी तरह से अंधेरे में ढ़के हैं और वहां का तापमान 230 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर सकता है। ऐसे तामपान में यंत्रों के संचालन में कठिनाइयां पैदा होती हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में हर जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं। यही कारण है कि आज तक कोई भी देश ऐसा साहसिक करनामा नहीं कर पाया।

दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है : नरेन्द्र मोदी

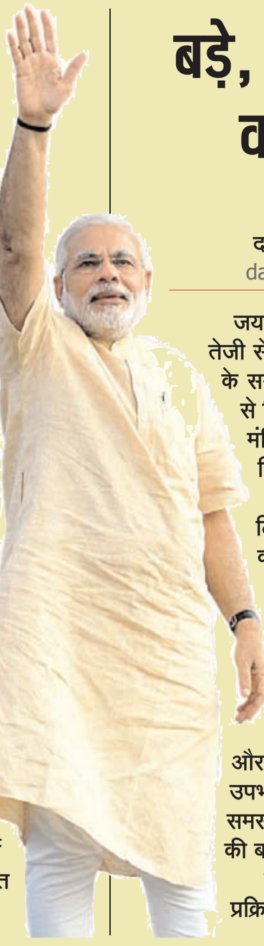

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है और भारत को अवसरों तथा खुलेपन का संयोजन माना जा रहा है। जी 20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया और उसने प्रतिस्पर्धा का माहौल तथा पारदर्शिता बढ़ाई है। उन्होंने कहा, आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर आशावाद तथा विश्वास देखते हैं। भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण का विस्तार किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है। हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट की ओर बढ़े हैं। एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के प्रवाह को उदार बनाया है। उन्होंने कहा, सबसे बढ़कर हम नीतिगत स्थिरता लाए हैं। हम अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली और जी20 के सदस्यों के रूप में यह देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें मजबूत और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं बनानी चाहिए जो भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। इस संदर्भ में, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मानचित्रण के लिए एक सामान्य ढांचा बनाने का भारत का प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। उन्होंने ई-वाणिज्य की वृद्धि पर कहा कि बड़े और छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है। मोदी ने कहा, हमें उचित मूल्य खोज तथा शिकायत निवारण तंत्र में उपभोक्ताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्या का भी समाधान तलाशने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि उनसे 60 से 70 प्रतिशत रोजगार का सृजन होता है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वे 50 प्रतिशत योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (एमएसएमई) हमारे निरंतर समर्थन की जरूरत है... हमारे लिए एमएसएमई का मतलब सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों को अधिकतम समर्थन है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 'जयपुर इनीशिएटिव टू फोस्टर सीमलेस फ्लो ऑफ इंफॉर्मेशन टू एमएसएमई' इस क्षेत्र के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं का समाधान तलाशेगी। मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करेंगे कि वैश्विक व्यापार प्रणाली धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और समावेशी भविष्य में परिवर्तित हो जाए।

बड़े, छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेजी से बढ़ते सीमा पार ई-वाणिज्य के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जी20 व्यापार मंत्रियों को बड़े तथा छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का बृहस्पतिवार को सुझाव दिया। जी20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित मूल्य हासिल करने और शिकायत प्रबंधन तंत्र में उपभोक्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान तलाशने की बात पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, डिजिटल प्रक्रियाओं और ई-वाणिज्य में बाजार की पहुंच बढ़ाने की क्षमता है। मुझे खुशी है कि आपका समूह 'व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए उच्च स्तरीय सिद्धांतों' पर काम कर रहा है। ये सिद्धांत देशों को सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार उपायों को लागू करने और अनुपालन बोझ को कम करने में मदद कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जैसे-जैसे सीमा पार ई-वाणिज्य बढ़ रहा है, चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें बड़े तथा छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है। जी20 समूह के व्यापार मंत्री अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य तथा निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। सरकार की पहल 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (ओएनडीसी) को बड़ा बदलाव बताते हुए मोदी ने कहा कि यह 'डिजिटल मार्केटप्लेस इको-सिस्टम' का लोकतंत्रीकरण करेगा।

मोदी ने कहा कि दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है और भारत को अवसरों तथा खुलेपन का संयोजन माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया और उसने प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाया तथा पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर आशावाद तथा विश्वास देखते हैं। भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण का विस्तार किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है। हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट की ओर बढ़े हैं। हमने एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के प्रवाह को उदार बनाया है। उन्होंने कहा, सबसे बढ़कर हम नीतिगत स्थिरता लाए हैं। हम अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली और जी20 के सदस्यों के रूप में यह देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें मजबूत और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं बनानी चाहिए जो भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।

राजस्थान को क्षयमुक्त बनाना हमारा ध्येय : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान 29 ग्राम पंचायतों को टीबीमुक्त घोषित करने वाला पहला राज्य है। टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4-4 जिलों को राष्ट्रीय स्तर पर रजत एवं कांस्य पदक दिए गए हैं। यह क्षय रोग के उन्मूलन की दिशा में हमारे गंभीर प्रयासों को इंगित करता है। उन्होंने कहा कि निरोगी राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने एवं 2030 तक राजस्थान को स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में नंबर वन राज्य बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रत्येक गांव में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाकर अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता है।

गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर टीबी मुक्त राजस्थान सम्मेलन, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के द्वितीय चरण, चिकित्सा संस्थानों के शिलान्यास व लोकार्पण तथा 104-108 एम्बुलेन्स सेवाओं के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टीबी एक घातक रोग है। क्षय रोगी का जीवन काफी कष्टमय होता है। विश्व के 26 प्रतिशत टीबी के मरीज भारत में हैं तथा इनमें से 6 प्रतिशत राजस्थान में हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक राजस्थान को क्षयमुक्त बनाना हमारा ध्येय है। जिस प्रकार प्रदेश में सभी ने मिलकर कोविड-19 महामारी का सामना किया उसी तरह सभी को साथ लेकर प्रदेश को टीबीमुक्त बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने और पंचायत स्तर तक रोगियों को चिन्हित कर उपचार करने हेतु 'टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान' संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष राज्य की ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए प्रदेश की 7000 ग्राम पंचायतों में 'टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'म्हारे गांव टीबी न पसारे पांव' क्षय रोग जागरूकता पोस्टर तथा पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही, गहलोत ने वर्ष 2022 में टीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रजत पदक प्राप्त करने वाले बारां, भीलवाडा, जालोर और जैसलमेर तथा कांस्य पदक प्राप्त करने वाले बांसवाडा, चित्तौडगढ़, राजसमंद और उदयपुर जिला कलक्टर को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा 29 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 442 करोड़ रुपए की लागत के 224 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। गहलोत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप जिला अस्पतालों सहित कुल 122 करोड़ रुपए की लागत से बने 109 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण किया। साथ ही, उन्होंने 320 करोड़ रुपए की लागत के 115 चिकित्सा संस्थानों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 50 नई 108 एम्बुलेंस तथा 20 नई 104 जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

राजस्थान में इतिहास रचा जाएगा, फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में इतिहास रचा जाएगा और यहां कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी। साथ ही उन्होंने मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केन्द्र और राज्य दोनों जगह अपनी भूमिका निभाने में विफल रही है। पायलट ब्यावर जिले के विजयनगर में किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्य में बारी-बारी से कांग्रेस और भाजपा की सरकार बनने की दशकों पुरानी परिपाटी का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा, पिछले पच्चीसतीस साल से राज्य में पांच-पांच साल (की सत्ता) का क्रम चला आ रहा है। पांच साल कांग्रेस की सरकार बनती है, पांच साल भाजपा की बनती है। मुझे ऐसा अहसास हो रहा है कि इस बार 2023 में इतिहास रचा जाएगा और पुन: कांग्रेस पार्टी की सरकार यहां बनेगी। पायलट ने कहा, वह (कांग्रेस की सरकार) इसलिए बनेगी क्योंकि हम लोगों ने अपने-अपने इलाकों में काम किया है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मध्य प्रदेश में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा कि इनके परिणामों का 2024 के लोकसभा चुनाव पर गहरा असर होगा। कांग्रेस नेता ने कहा, आज भी हमारी हर योजना, हर नीति, हर कार्यक्रम और बजट में हमारी सबसे पहली चिंता होती है कि नौजवानों की मदद कैसे हो सकती है, किसान भाइयों की मदद कैसे कर सकते हैं।

भाजपा पर केन्द्र और राज्य में अपनी भूमिका निभाने में असफल रहने का आरोप लगाते हुए पायलट ने कहा, केन्द्र में ऐसी पार्टी की सरकार है जो केन्द्रीय सत्ता में असफल हो गई है। वह राजस्थान में विपक्ष की भूमिका में असफल हो गई है। राजस्थान में भाजपा का जो हाल है वह आपके सामने है। लोकतंत्र में सरकार के साथ-साथ विपक्ष की बड़ी भूमिका होती है। राज्य में भाजपा ने सदन में तथा सदन के बाहर अपनी भूमिका नहीं निभायी है।

केन्द्र की राजग सरकार पर निशाना साधते हुए पायलट ने कहा, इसके नौ साल के शासनकाल में हर वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इस सरकार ने वोट लेने के बाद हर वर्ग को सिर्फ पीड़ा और परेशानी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अमीर व गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। जरूरी सामान की कीमतें आसमान छू रही हैं। लेकिन महंगाई को काबू करने के लिए केन्द्र सरकार ने झूठे मुँह तक नहीं कहा कि हां कोशिश करेंगे, हम दाम कम करने की कोशिश करेंगे।

व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों पर व्यापक सहमति बना सकेंगे जी20 के मंत्री : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भरोसा जताया है कि यहां दो-दिन की बैठक के दौरान जी20 के व्यापार और निवेश मंत्री व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों पर व्यापक सहमति बना सकेंगे। जी-20 देशों के प्रतिनिधि दो दिन की व्यापार और निवेश पर मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए यहां एकत्र हुए हैं। वे विकास और समृद्धि के लिए व्यापार के पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों- व्यापार और जुझारू वैश्विक मूल्य श्रृंखला, वैश्विक व्यापार में एमएसएमई को एकीकृत करना, व्यापार के लिए लॉजिस्टिक्स और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सुधारों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। मंत्रियों की बैठक के पहले दिन की चर्चा 'वैश्विक विकास और समृद्धि के लिए बहुपक्षीय व्यापार' विषय पर केंद्रित रही, जिसमें विकासशील देशों के लिए व्यापार कैसे काम कर सकता है और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

दिन का दूसरा सत्र 'समावेशी और मजबूत व्यापार' था जो व्यापार और जुझारू वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मुद्दों और विश्व व्यापार में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को एकीकृत करने पर केंद्रित था। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, एक मजबूत परिणाम लाने के लिए विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और आज सुबह के पहले सत्र को देखकर मुझे विश्वास है कि हम व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों पर एक व्यापक सहमति बना सकेंगे।

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रही वार्ता पर गोयल ने कहा कि यह बहुत अच्छी प्रगति कर रही है और इसके जल्द से जल्द पूरा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को विश्वास है कि वे दोनों देशों के व्यवसायों और लोगों के हित में एक 'बहुत' संतुलित, न्यायसंगत और निष्पक्ष समझौता करेंगे। वाहन, शराब और दुग्ध उत्पादों पर आयात शुल्क पर रियायतों की ब्रिटेन की मांग के बारे में पूछने पर गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन दोनों अपने अनुरोधों और चिंताओं के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, शायद ही कोई ऐसा मुद्दा हो जिस पर हम बातचीत नहीं कर रहे हैं और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इन सभी वार्ताओं से एक मजबूत और ठोस परिणाम निकलेगा... मुझे उम्मीद है कि यह जल्द से जल्द हो सकता है। ब्रिटेन के प्रतिनिधि जी-20 की व्यापार एवं निवेश पर मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए जयपुर में हैं।

कोटा में पढ़ाई का दबाव

दोस्ती का सिद्धांत नहीं, हर अभ्यर्थी एक प्रतिस्पर्धी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा में इंजीनियरिंग और मेडिकल में प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों पर अंकुश लगाने के सरकार के प्रयासों के बीच छात्रों और विशेषज्ञों का कहना है कि यहां अध्ययनरत छात्र दोस्त नहीं होते, सिर्फ प्रतिस्पर्धी होते हैं। देश की कोचिंग राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले कोटा को 'कोटा फैक्टरी' भी कहा जाता है। प्राधिकारियों का कहना है कि 2023 में अभी तक कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे 20 अभ्यर्थी आत्महत्या कर चुके हैं, जो पिछले साल (15 आत्महत्याओं) के मुकाबले ज्यादा है।

दिनभर पढ़ाई से भरी दिनचर्या, कदम-कदम पर प्रतिस्पर्धा, बेहतर करने का नियमित दबाव, परिजनों की उम्मीदें और घर से दूर रहने की पीड़ा के साथ छात्र कहते हैं कि वे अक्सर खुद को अकेला पाते हैं और अपनी भावनाओं को साझा करने के लिए उनके साथ कोई भी शख्स मौजूद नहीं होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि परिजन दोस्ती या मित्रता को बच्चों के पढ़ाई से संभावित भटकाव के रूप में देखते हैं और उन्हें मित्र बनाने को लेकर हतोत्साहित करते हैं।

मध्यप्रदेश की रहने वाली नीट की अभ्यर्थी रिद्धिमा स्वामी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'यहां दोस्ती का कोई सिद्धांत नहीं है...सिर्फ प्रतिस्पर्धी हैं। आपके बगल में बैठे हर छात्र को एक अतिरिक्त प्रतिस्पर्धी के रूप में देखा जाता है, जिससे आपकों मुकाबला करना है। स्कूल और कॉलेज जैसा नहीं है, कोई भी यहां नोट्स आपके साथ साझा नहीं करता क्योंकि हर कोई आपको एक खतरे के तौर पर देखता है जो पसंदीदा कॉलेज की आपकी सीट छीन सकता है।' पिछले दो साल से यहां रहकर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रही ओडिशा निवासी मानसी सिंह का कहना है कि कोटा में जिंदगी 'ट्रेडमिल' पर दौड़ने जैसी प्रतीत होती है। उन्होंने कहा, 'यह ट्रेडमिल पर दौड़ने के जैसा है। आपके पास सिर्फ दो विकल्प हैं या तो नीचे उतर जाइये या फिर भागते रहिए। आप रुक नहीं सकते और न ही अपनी गति धीमी कर सकते हैं। आपको बस दौड़ते रहना है।'

एक अन्य छात्र ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि हरेक वो क्षण जो कि पढ़ाई में नहीं लगा 'बर्बाद' माना जाता है और यह पछतावे को बढ़ाता है जिससे आप तनाव में आ जाते हैं।

उदयपुर, बीकानेर और कोटा में खुलेगी हाईकोर्ट बैंच की वर्चुअल शाखा

उदयपुर/दक्षिण भारत। केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल ने उदयपुर सहित राज्य के 10 जिलों में हाईकोर्ट बैंच की वर्चुअल शाखा खोले जाने की बात कही है। उदयपुर बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल सांसद अर्जुनलाल मीणा के नेतृत्व में बुधवार को नईदिल्ली में विधि मंत्री मेघवाल से मिला था। इसके बाद पिछले तीन दिन से उदयपुर में चला आ रहा उदयपुर के वकीलों का आंदोलन थम गया। बीकानेर में हाईकोर्ट की वर्चुअल शाखा खोले जाने की विधि मंत्री की घोषणा के बाद उदयपुर के वकील आंदोलनरत थे। सांसद अर्जुनलाल मीणा का साथ वकीलों को मिलने के बाद विधि मंत्री ने एक प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली बुलाया था। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश मोगरा ने बताया कि मंत्री मेघवाल ने कहाकि देश में 10 जगह वर्चुअल हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की जाएगी। जिसमें राजस्थान के उदयपुर, कोटा और बीकानेर जिले शामिल हैं। मंत्री मेघवाल ने अधिवक्ताओं को कहा कि इस संबंध में वे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से चर्चा कर आधिकारिक रूप से जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। उदयपुर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष राकेश मोगरा, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, मेवाड़-वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति संयोजक रमेश नंदवाना, महासिचव रामकृपा शर्मा, बार काउंसिल राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष हर्ष मेहता, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल, अधिवक्ता चेतनपुरी गोस्वामी शामिल रहे। मेवाड़ वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति के महासचिव राम कृपा शर्मा ने बताया कि इस संबंध में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का बहुत बड़ा योगदान रहा। उन्होंने विधि मंत्री मेघवाल से फोन पर वार्ता की। जिसके बाद सांसद अर्जुन लाल मीणा के नेतृत्व में मंत्री मेघवाल से मिले।

बता दें, उदयपुर की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को देखते हुए यहां वर्चुअल बेंच स्थापित करने की मांग पिछले चार दशक से उठ रही थी। जिसे लेकर वकील कई सालों से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। दो दिन पहले भी कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन किया गया। साथ ही न्यायिक कार्य का बहिष्कार जारी था।

उदयपुर में पांचवी अन्तर्राष्ट्रीय वर्ल्ड फिजियोथेरेपी कांग्रेस चार नवम्बर से

उदयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के उदयपुर में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय की ओर आगामी चार नवम्बर से आयोजित होने वाली पांचवी अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेस वर्ल्ड फिजियोथेरेपी कांग्रेस के पोस्टर का विमोचन आज कुलपति कर्नल प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने किया।

आयोजन सचिव डॉ. शैलेन्द्र मेहता ने बताया कि दो दिवसीय कांफ्रेस में देश विदेश के लगभग 2000 से ज्यादा प्रतिभागी एवं विषय निष्णात भाग लेंगे। मुख्य रूप से उक्त कांफ्रेस में डॉ. इब्राहीम मौस्ताफा प्रो यूनिवर्सिटी ऑफ़ शारजाह यूएइ, डॉ. संजीव झा प्रेसिडेंट आई.ए.पी., डॉ. बम्बांग डीन फैकल्टी ध्याना पूरा यूनिवर्सिटी बाली, ग्यूसेप रेग्नो एसिस्टेंट टीचर बाली, जूलिया पिलेटस टीचर वर्ल्ड क्लास मेथडोलोजिस्ट रसिया, डॉ. सिथरा वेलथ्थन मयुरन सीनियर लेक्चरर यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेरादेनिया श्रीलंका, प्रो. इमाम वाल्युयो, फाउंडर छाया पद्मा कुमारा फाउंडेशन इंडोनेशिया, प्रो. डॉ. ओलेक्सेंडर प्रो. यूनिवर्सिटी टेक्नोलोजी मारा मलेशिया, डॉ. महेंद्र यादव, एप्रूव्ड थेरा बेंड इंस्ट्रक्टर यू.एस.ए, डॉ. एस एम मुस्तफा कमल इंटरनेशनल कोर्स इंस्ट्रक्टर डिपार्टमेंट ऑफ़ फिजियोथेरेपी इनाम मेडिकल कॉलेज ढाका बांग्लादेश, मेजर ठोकोजनी अल्फोर्ड गवाई हेड फिजियोथेरेपी मिलिट्री हॉस्पिटल बोस्तवाना इत्यादि विषय निष्णात फिजियोथेरेपी से सम्बंधित विधाओं का वाचन एवं प्रायोगिक अभ्यास करेंगे।

अब उत्तर प्रदेश में कोई नहीं वसूल सकता गुंडा टैक्स : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की कानूनव्यवस्था का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पहले रेहड़ीपटरी वालों से पहले 'गुंडा टैक्स' वसूला जाता था लेकिन अब कोई भी ऐसी रंगदारी नहीं वसूल सकता।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यहां लोक भवन में पीएम स्वनिधि एवं स्वयं सहायता समूह ऋण योजना के तहत 11 हजार लाभार्थियों को ऋण वितरण के बाद अपने सम्बोधन में कहा, उत्तर प्रदेश से अब माफियाओं के साथ ही गंदगी की भी सफाई हुई है। पहले स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी वाले) से लोग 'गुंडा टैक्स' वसूल करते थे। अब कोई गुंडा टैक्स वसूल नहीं कर सकता। आदित्यनाथ ने इस अवसर पर डिजिटल माध्यम से लगभग 32 करोड़ 49 हजार रुपए का ऋण लाभार्थियों के खातों में अन्तरित किया। उन्होंने ऋण प्राप्त करने वाले कुछ लाभार्थियों तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए। साथ ही पंजाब नेशनल बैंक द्वारा विकसित किए गए 'एण्ड टू एण्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म' 'पीएनबी ई-स्वनिधि' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक निवेश प्राप्त करने वाला राज्य बन गया है। राज्य में बैंकों के माध्यम से सर्वाधिक धनराशि निवेश पर खर्च हो रही है। विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश का ऋण-जमा अनुपात 12% बढ़कर 56% हो गया है।

ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तेजी लाएं अधिकारी : सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से काम की गुणवत्ता से समझौता किए बिना राज्य में 15,000 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों के निर्माण में तेजी लाने के लिए कहा है। जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। सड़क निर्माण विभाग की बैठक के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री को इस तथ्य से अवगत कराया गया कि राज्य में बनने वाली 15,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों में से 6,000 किलोमीटर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जबकि 3,000 किलोमीटर सड़कों के निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, राज्य ने 15,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा है और हमें निर्माण कार्य में तेजी लाने की जरूरत है। सड़कों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए, क्योंकि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को वन एवं पर्यावरण विभाग से मंजूरी मिलने में देरी के कारण अटके सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

मणिशंकर की किताब कांग्रेस की सोच दर्शाती है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उनकी आत्मकथा कांग्रेस और 'घमंडिया' गठबंधन की सोच तथा उद्देश्यों को दर्शाती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किताब में पी वी नरसिंह राव को भाजपा का पहला प्रधानमंत्री लिखने पर अय्यर पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने नेहरू-गांधी परिवार के कहने पर यह दावा किया। पात्रा ने कहा कि राव कांग्रेस से जुड़े थे और प्रधानमंत्री बनकर पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के पहले व्यक्ति थे।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, गांधी परिवार से बाहर किसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनना इस परिवार को बर्दाश्त नहीं, भले ही वह कांग्रेस का हो। इसलिए मणिशंकर अय्यर से कहलवाया गया कि राव भाजपा के थे, कांग्रेस के नहीं। उन्होंने कहा, मणिशंकर अय्यर जब भी लिखते हैं, बोलते हैं और कुछ प्रस्तुत करते हैं तो शब्द भले ही उनके हों, विचार गांधी परिवार के होते हैं।

पात्रा ने विपक्षी गठबंधन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मणिशंकर अय्यर ने 'घमंडिया' गठबंधन की आत्मा को लिखित रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि अय्यर को कांग्रेस में बाहरी की तरह पेश किया जाता है लेकिन वह गांधी परिवार के सबसे करीबी हैं और इसलिए जब भी वह कोई बयान देते हैं तो वह गांधी परिवार की सोच होता है। अय्यर की आत्मकथा 'मेमोयर्स ऑफ अ मैवरिक - द फर्स्ट फिफ्टी ईयर्स (1941-1991)' सोमवार को बाजार में आई थी।

फूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेलगावी में गुरुवार को एक बाजार में 'वरमहालक्ष्मी व्रत' उत्सव की पूर्व संध्या पर फूल और पूजा सामग्री खरीदते लोग।

लगता है छत्तीसगढ़ में मेरे खिलाफ भाजपा नहीं, ईडी और सीबीआई चुनाव लड़ेंगे: बघेल

नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके कुछ करीबियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई का मकसद सिर्फ उनकी सरकार को बदनाम और अस्थिर करना है, लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि प्रदेश में अब उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी का कोई प्रत्याशी नहीं, बल्कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) चुनाव लड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि वह 'मरने' और 'जेल जाने' से नहीं डरते। ईडी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, मुख्यमंत्री के दो ओएसडी, एक कारोबारी समेत अन्य लोगों के यहां बुधवार को छापा मारा था। बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ को दबाने और बदनाम करने का प्रयास हो रहा है... चुनाव नजदीक आते ही एक बार फिर से ईडी को सक्रिय कर दिया गया है। बघेल ने कहा कि पहले कथित शराब घोटाले की बात की गई और यह दावा किया गया कि 3900 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है, जबकि कांग्रेस की सरकार में आबकारी राजस्व बढ़ गया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार आने से पहले छत्तीसगढ़ को सालाना 3900 करोड़ रुपए का आबकारी राजस्व होता था, लेकिन अब 6500 करोड़ रुपए का राजस्व हो रहा है।

चंद्रमा पर फ़तह के दिन ओडिशा में जन्मे बच्चों का नाम 'चंद्रयान' रखा गया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा की सतह पर भारत के चंद्र अभियान के कदम रखने के तुरंत बाद ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में जन्मे कई बच्चों का नाम 'चंद्रयान' रखा गया है। यहां बुधवार शाम को केंद्रपाड़ा जिला अस्पताल में जन्मे कम से कम चार शिशुओं का नाम उनके माता पिता ने चंद्रयान रखा है जिनमें तीन लड़के और एक लड़की है।

इन चार शिशुओं में से एक के पिता प्रवत मलिक ने कहा, यह दोहरी खुशी है। चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक लैंड करने के कुछ मिनट बाद ही हमारे बच्चे का जन्म हुआ। हमने बच्चे का नाम इस चंद्र अभियान पर रखने का फैसला किया है। स्थानीय स्तर पर बच्चे के जन्म के 21वें दिन पूजा के बाद उसके नामकरण की परंपरा रही है। अरिपाड़ा गांव की निवासी मलिक की पत्नी रानू ने एक बेटे को जन्म दिया है। रानू ने कहा कि घर के बड़े बुजुर्गों को बच्चे का नाम चंद्रयान के नाम पर रखने का सुझाव दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे का नाम चंद्र या लूना भी हो सकता है क्योंकि चंद्रयान का अर्थ चांद के लिए वाहन होता है। शिशु की माता ने कहा, चंद्रयान हालांकि एक नई शैली का नाम है।

प्रधानमंत्री ने चंद्रयान-3 की 'लैंडिंग' का श्रेय लिया, लेकिन इसरो का सहयोग करने में विफल रहे: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का श्रेय ले रहे हैं, लेकिन वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और उसके वैज्ञानिकों का सहयोग करने में बुरी तरह विफल रहे हैं।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कुछ खबरों का हवाला दिया जिनमें दावा किया कि अंतरिक्ष विभाग के बजट में कटौती की गई और 'एचईसी' (हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) इंजीनियरों को कई महीने का वेतन नहीं मिला। वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, चंद्रयान लैंडिंग का उत्साह और गर्व लंबे समय तक हमारे साथ बने रहेगा। इसरो अध्यक्ष डॉक्टर सोमनाथ के नेतृत्व ने वास्तव में इतिहास रचा और हम उन्हें और उनकी टीम को हार्दिक बधाई देते हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री को अपने पाखंड के लिए कुछ जवाब देना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, आपको स्क्रीन पर आने और लैंडिंग के बाद श्रेय लेने की जल्दी थी, लेकिन आपकी सरकार वैज्ञानिकों और इसरो का सहयोग करने में इतनी बुरी तरह विफल क्यों रही? कांग्रेस नेता ने सवाल किया, चंद्रयान-3 पर काम करने वाले 'एचईसी' (हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) के इंजीनियरों को पिछले 17 महीनों से वेतन क्यों नहीं मिला? आपने इतने महत्वपूर्ण मिशनों के लिए बजट में 32 प्रतिशत की कटौती क्यों की? वेणुगोपाल ने दावा किया, ये हमारे देश के हीरो हैं, ये विश्वस्तरीय अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम चलाते हैं, लेकिन आपको इनकी प्रतिभा और मेहनत की कोई कद्र नहीं है। जले पर नमक छिड़कने के लिए आप (प्रधानमंत्री) उस क्षण सुर्खियों में आए जो वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का क्षण था।

अमेठी से भारी अंतर से चुनाव जीतेंगे राहुल गांधी : अजय राय का दावा

अमेठी (उत्तर प्रदेश)/भाषा। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी का अमेठी से रिश्ता राजनीतिक नहीं बल्कि पीढ़ियों का है और उन्हें विश्वास है कि आगामी लोकसभा चुनाव में अमेठी के लोग भारी अंतर से राहुल की जीत सुनिश्चित करेंगे। राय ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए वाराणसी से लखनऊ जाते वक्त अमेठी में मुसाफिरखाना के वरनापुर गांव में एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कभी मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी की तरह अमेठी के लोगों से झूठ नहीं बोला है। ईरानी ने सांसद बनने के बाद 13 रुपए किलोग्राम चीनी उपलब्ध कराने का वादा किया था।

उन्होंने कहा, अमेठी के लोगों की मांग है कि राहुल गांधी को यहां से अगला चुनाव लड़ना चाहिए और वे भारी अंतर से उनकी जीत सुनिश्चित करेंगे।

एनसीसीएसए बैठक पर आदेशों का पालन करने से इनकार कर रहे हैं मुख्य सचिव: आतिशी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में आप सरकार और नौकरशाही के बीच खींचतान के एक नए दौर में, मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि मुख्य सचिव ने नवगठित राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की बैठकें आयोजित करने के लिए समन्वय तंत्र के उनके आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया है।

मंत्री के दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मुख्य सचिव नरेश कुमार ने कहा कि इस तरह के सार्वजनिक बयान सेवा मामलों और सतर्कता मामलों के क्षेत्रों में उनके अधिकार को इंगित करने के प्रयास के रूप में दिए जा रहे हैं, जिसमें उनके (मंत्री के) पास कोई कार्यकारी शक्तियां नहीं हैं।

मुख्य सचिव ने कहा, आतिशी न तो एनसीसीएसए की सदस्य हैं और न ही एनसीसीएसए के संबंध में जीएनसीटीडी अधिनियम 1991 में उन्हें कोई भूमिका सौंपी गई है। आतिशी ने दावा किया कि उन्होंने दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों और एनसीसीएसए के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 16 अगस्त को एक आदेश जारी किया था जिसे मुख्य सचिव ने मानने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 21 अगस्त को अपने 10 पन्नों के पत्र में मुख्य सचिव ने इस आदेश का पालन करने से इनकार कर दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एनसीसीएसए का गठन इस साल मई में केंद्र के अध्यादेश के माध्यम से किया गया था और यह सरकार में अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना सहित सेवा मामलों को संभालता है।

नोएडा में फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़, विदेशियों को ठगने के आरोप में 84 गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। जिले में पुलिस ने एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर विदेशी नागरिकों से लाखों रुपए की ठगी करने के आरोप में 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को बताया कि पकड़े गए लोगों में 46 पुरुष और 38 महिलाएं हैं। इन लोगों के पास से 20 लाख रुपए नगद, 150 कंप्यूटर, 13 मोबाइल फोन, एक बड़ा सर्वर युक्त राउटर तथा एक क्रेटा गाड़ी बरामद की गई है।

उन्होंने बताया कि गिरोह के सरगना योगेश पुजारी तथा हर्षित चौधरी मौके से फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। चंदर ने बताया कि थाना फेस-वन पुलिस को बीती रात को ए -18 सेक्टर 6 में हर्षित चौधरी व योगेश पुजारी द्वारा एक फर्जी कॉल सेंटर चलाए जाने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि यह भी पता चला कि इस कॉल सेंटर द्वारा विदेशी नागरिकों से लाखों रुपए की ठगी की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारा तथा 84 लोगों को गिरफ्तार किया है।

विनेश अच्छी पहलवान हैं पर मैं उनसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी : पंघाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लगातार दो अंडर-20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने कहा कि उनकी कोशिश सीनियर पहलवान विनेश फोगाट से बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी बनने की होगी। एशियाई खेलों के लिए विनेश को सीधे प्रवेश दिए जाने के फैसले को अदालत में चुनौती देने वाली पंघाल की याचिका खारिज कर दी गई। अंत में विनेश ने घुटने की चोट के कारण एशियाई खेलों से हटने का फैसला किया।

अंतिम पंघाल अपनी अनुभवी साथी विनेश की उपलब्धियों से वाकिफ हैं जो एशियाई खेलों की चैम्पियन हैं और कई एशियाई चैम्पियनशिप पदक जीत चुकी हैं। वह एकमात्र भारतीय महिला पहलवान हैं जो दो विश्व चैम्पियनशिप पदक अपने नाम कर चुकी हैं।

हालांकि विनेश जिन दो ओलंपिक रियो (2016) और टोक्यो (2021) खेलों में पहुंची, उनसे खाली हाथ लौटीं।

पंघाल ने 'वर्चुअल' बातचीत में कहा, विनेश बहुत अच्छी पहलवान है, उनके नाम राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप में पदक हैं, लेकिन मैं उनसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी। उनसे बेहतर करने की कोशिश के लिए उनसे ज्यादा मेहनत करूंगी।

डब्ल्यूएफआई के निलंबन पर हैरान हूं, केंद्र सरकार ने पहलवानों को हतोत्साहित किया: ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संचालन संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को निलंबित किए जाने पर हैरानी जताई और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश के पहलवानों को हतोत्साहित किया है। डब्ल्यूएफआई ने चुनाव समय पर नहीं कराने के लिए डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय पहलवान आगामी विश्व चैंपियनशिप में भारतीय ध्वज तले प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

बनर्जी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, यह जानकर हैरानी हुई कि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारत के कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया है। उन्होंने इसे पूरे देश के लिए बेहद शर्मनाक करार देते हुए लिखा, केंद्र सरकार ने अपने अहंकारी रवैये और हमारी पहलवान बहनों की दुर्दशा के प्रति लापरवाही बरतकर हमारे पहलवानों को निराश किया है। केंद्र और भाजपा हमारी अदम्य बहनों को स्त्री द्वेष और असभ्य पुरुषवाद से परेशान किए जा रही है। भारत को उन लोगों को दंडित करना चाहिए जिनमें कोई नैतिक संवेदना नहीं बची है और जो देश की लड़ने वाली बेटियों की गरिमा के लिए खड़े नहीं हो सकते। हिसाब-किताब का दिन अब ज्यादा दूर नहीं है।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए कुश्ती के ट्रायल 25 और 26 अगस्त को ही : बाजवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युनाइटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित किए जाने के बावजूद आगामी विश्व चैम्पियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम का चयन ट्रायल 25 और 26 अगस्त को ही होगा। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने 45 दिन के भीतर चुनाव नहीं कराने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया जिसके मायने हैं कि भारतीय पहलवान 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में तिरंगे तले नहीं खेल सकेंगे।

आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने पीटीआई को बताया कि ट्रायल पटियाला में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को ही होंगे। उन्होंने कहा, ट्रायल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि ताजा घटनाक्रम के बाद क्या नए सिरे से सूचना जारी की जाएगी।

जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राएं गुरुवार को चंद्रमा की सतह पर इसरो चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग का जश्न मनाती हुईं।

चहल वर्तमान में सीमित ओवरों के सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्पिनर : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने युजवेंद्र चहल को वर्तमान समय में सीमित ओवरों में देश का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर करार देते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने 30 अगस्त से पाकिस्तान और श्रीलंका में होने वाले एशिया कप के लिए उन्हें टीम में न चुनकर गलती की। चहल को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं ने उनकी बजाय कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को प्राथमिकता दी।

हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, इस टीम में मुझे जो एक कमी और गलती लगी, वह है युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति। मेरे विचार में उन्हें एशिया कप के लिए टीम में होना चाहिए था। उन्होंने कहा, चहल ऐसा लेग स्पिनर है जो गेंद को टर्न करा सकता है। अगर आप वास्तविक स्पिनर की बात करते हैं तो मुझे नहीं लगता कि सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत में चहल से बेहतर कोई स्पिनर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 711 विकेट लेने वाले 43 वर्षीय हरभजन ने कहा, यह सही है कि पिछले कुछ मैचों में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन इससे वह खराब गेंदबाज नहीं बन जाते हैं। हरभजन को उम्मीद है कि हाल के दिनों में टीम से अंदर बाहर होने वाले 33 वर्षीय चहल भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 50 ओवरों के विश्वकप में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है उनके लिए दरवाजे बंद नहीं हुए होंगे। विश्वकप के लिए उनके नाम पर विचार करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह टूर्नामेंट भारत में खेला जाएगा। हरभजन ने कहा, चहल साबित कर चुके हैं कि वह मैच विजेता गेंदबाज हैं। मैं समझता हूं कि अभी उनकी फॉर्म अच्छी नहीं है, इसलिए आप उन्हें विश्राम दे सकते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि अगर वह टीम के साथ होते तो उनका आत्मविश्वास बना रहता। कोई भी खिलाड़ी जब बाहर होने के बाद वापसी करता है तो उस पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहता है।

बल्लेबाजों पर होगी भारत को विश्व कप जिताने की जिम्मेदारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय टीम 2013 के बाद से कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है लेकिन पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और उन्होंने कहा कि अपनी मेजबानी में होने वाले विश्व कप में भारत को जिताने का दारोमदार बल्लेबाजों पर रहेगा। भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 में इंग्लैंड में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से भारत आईसीसी टूर्नामेंटों में सेमीफाइनल और फाइनल समेत आठ नॉकआउट मैच खेल चुका है लेकिन खिताब नहीं जीता। गांगुली ने यहां साइकिल अगरबत्ती के 75 वर्ष पूरे होने पर नए उत्पादों के लांच के मौके पर कहा, आप हर समय विश्व कप नहीं जीत सकते। बुरा समय भी आता है। उन्होंने कहा, भारतीय टीम को बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। ऐसा करने पर वे जीत सकते हैं। गांगुली ने कहा, उन्होंने चहल की बजाय अक्षर पटेल को उसकी बल्लेबाजी की वजह से चुना।

सुविचार

जिस दिन आपको पता चलेगा के, नेकी करने से मन को शांति मिलती हैं, उस दिन आप बुरा काम करना छोड़ देंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'शत्रुबोध' का अभाव

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का पाकिस्तान के साथ बातचीत की बहाली की पैरवी करते हुए यह बयान देना कि 'जब तक उक्त पड़ोसी देश हमारे गले की फांस बना रहेगा, तब तक भारत दुनिया में अपना उचित स्थान हासिल नहीं कर सकेगा', तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। अय्यर ने अपनी आत्मकथा में इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान में भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' वहां के लोग हैं, जो भारत को दुश्मन देश नहीं मानते! यह बतौर भारतीय, अय्यर की 'सद्भावना' हो सकती है, जैसा कि करोड़ों भारतवासियों की है। चूंकि हम दुनिया में किसी भी देश से शत्रुता नहीं रखते, इसलिए यही सोचते हैं कि न तो कोई देश हमसे घृणा करेगा और न शत्रुता रखेगा। काश कि यह दुनिया ऐसी होती! हकीकत तो इससे बिल्कुल उलट है। अगर अय्यर के मुताबिक पाकिस्तान में भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' वहां के लोग हैं, तो इस पूंजी से आजतक हमें क्या लाभ हुआ? यहां लाभ का आशय धन-संपत्ति नहीं, बल्कि शांति है। अय्यर पाकिस्तान के वाणिज्यिक शहर कराची में दिसंबर 1978 से जनवरी 1982 तक भारत के महावाणिज्य दूत रहे हैं। वे संभवत: उन्हीं वर्षों की यादों के आधार पर यह 'मधुर' विश्लेषण कर रहे हैं। तब से आज तक बहुत पानी बह चुका। आज पाकिस्तान की आबादी का ज़्यादातर हिस्सा मानसिक रूप से कट्टरपंथ के दायरे में आ चुका है, जिसकी बुनियाद हिंदुओं से नफरत और भारत से नफरत है। पाकिस्तान की स्कूली किताबों में हिंदुओं के लिए अपमानजनक शब्द लिखे जाते हैं। बच्चों को शुरुआती कक्षाओं में ही भारत से नफरत की घुट्टी पिला दी जाती है। वे उसी वातावरण में जवान होते हैं। ऐसे में यह कहना कि वहां के लोग भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' हैं, हकीकत से कोसों दूर है। पाकिस्तान का तो निर्माण ही भारत से नफरत की बुनियाद पर हुआ था। इसी के जुनून में कई युद्ध हुए। आज भी एलओसी पर पाकिस्तानी आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश करते हैं, जिन्हें हमारे जवान ढेर करते रहते हैं।

पाकिस्तान में आतंकवादियों की फंडिंग में वहां की आम जनता बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। हाफिज सईद समेत जितने भी कुख्यात आतंकवादी तक़रीर करते हैं, उनमें आम जनता ही जुटती है और उनके समर्थन में नारे लगाती है। सिंध में मासूम हिंदू बालिकाओं का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और दुष्कर्म करने वाले कौन हैं? वे लोग आम जनता में से ही हैं। श्रीलंकाई नागरिक प्रियंथा कुमारा को ज़िंदा जलाकर सेल्फी लेनेवाले किस ग्रह से आए थे? वह पाकिस्तान की आम जनता ही थी। हाल में जरांवाला में दर्जनों चर्चों और ईसाइयों के सैकड़ों घरों में आग लगाने वाले कौन थे? उनके वीडियो तो सोशल मीडिया पर अब तक वायरल हो रहे हैं। उन्हें देखेंगे तो पाएंगे कि वे आम लोग हैं। पश्चिमी देशों में जाकर हिंसा और आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहने वाले पाकिस्तानियों का ताल्लुक साधारण परिवारों से है। इन सबके बाद जो पाकिस्तानी बच जाएं (जिन्हें बड़ा शांतिप्रेमी माना जाता है), उनसे यह सवाल पूछकर देखें- आपके देश में अल्पसंख्यकों को भी राष्ट्रपति / प्रधानमंत्री / सेना प्रमुख बनने का अधिकार मिले तो कैसा रहेगा? ज़्यादातर पाकिस्तानी इसका जवाब 'ना' में देंगे। अगर कहीं से यह अफवाह फैल जाए कि अल्पसंख्यक समुदाय का कोई व्यक्ति (चाहे वह कितना ही काबिल व ईमानदार हो) उनका प्रधानमंत्री बनने जा रहा है तो पूरे पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएंगे। ये ही (आम) लोग जब पश्चिमी देशों में जाते हैं तो वहां की सरकारों द्वारा दी गईं सुविधाओं का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। वे हमेशा बराबरी से ज्यादा अधिकार लेने के इच्छुक रहते हैं। वहां की संस्कृति, सभ्यता का मखौल उड़ाते हैं। स्वयं को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं। नागरिकता लेने के लिए स्थानीय युवतियों से शादी करते हैं। ज्यादा से ज्यादा अभिव्यक्ति की आज़ादी मांगते हैं। उनके लोकतंत्र में बड़े से बड़ा ओहदा लेना चाहते हैं। इस पर भी यह शिकायत करते हैं कि हमारे साथ अन्याय हो रहा है। हमेशा असंतुष्ट रहते हैं। इसके बाद जब पाकिस्तान लौटते हैं तो यहां अल्पसंख्यकों के अधिकारों का विरोध करते हैं। उनकी आवाज दबाते हैं। उनकी बेटियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण पर चुप्पी साधे रहते हैं। क्या इसके बावजूद यह कहना तर्क संगत है कि ये किसी के लिए 'पूंजी' हो सकते हैं? ये पहले पाकिस्तान के लिए तो 'पूंजी' बन जाएं। उसकी बदहाल अर्थव्यवस्था को उबार लें। भारतवासियों में आज भी 'शत्रुबोध' का अभाव है, इसलिए वे विदेशियों की चिकनी-चुपड़ी बातों को प्रेम समझने की भूल कर रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस की सरकार ने बिजली कटौती, महंगे बिजली बिल, पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल पर वैट, महिला अपराध, युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी के साथ प्रदेश के हर वर्ग को चोट पहुंचाई है। राजस्थान भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण करने पर सभी को शुभकामनाएं।

-अरुण सिंह

गंग नहर में पानी की आवक आज 10 दिन बाद भी 0 है, जबकि फसलों को इस समय पानी की आवश्यकता ज्यादा है। किसान पिछले 15 दिन से धरने पर बैठे हैं। सरकार समस्या के संबंध में प्रतिनिधि मंडल भेजकर या पत्राचार कर किसानों की पीड़ा का समाधान कर सकती थी।

-वसुंधरा राजे

आज जयपुर सिटी पैलेस में प्रवासी मुरादाबाद विधायक श्री रितेश गुप्ता जी व संसदीय क्षेत्र और प्रदेश से पधारे महानुभावों से मुलाकात कर सार्थक विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मूर्तिकार श्री रामावतार जी शर्मा ने जन-जन की आस्था के केंद्र प्रभु श्री राम की प्रतिमा भेंट की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मूर्ति के गुण

विचारक डायोजिनीज सुकरात के शिष्य थे और उनके विचारों से बहुत प्रभावित थे। वे अपने व्यक्तित्व में सुधार के लिए हमेशा प्रयासरत रहते थे। कभी वे फूलों के पास जाकर, उनसे बात करते तो कभी यूं ही समुद्र के किनारे शांत मन से आंखें बंद करके ध्यान में बैठ जाते और अपने मन को नियंत्रित करने का प्रयास करते। एक दिन वे एक पत्थर की मूर्ति के पास गए और उससे बातें करने लगे। एक युवक वहां से गुजरा। वह डायोजिनीज को पत्थर की मूर्ति से बात करते देखकर हैरान रह गया कि इतने बुद्धिमान आदमी निर्जीव पत्थर से कैसे बात कर रहे हैं? वह उनके पास जाकर बोला, 'महानुभाव, हम लोग तो आपके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का प्रयास करते हैं और आप ऐसी छोटी एवं अजीब हरकत कर रहे हैं। एक मामूली पत्थर से बात करने का आखिर क्या मतलब है? किसी पत्थर से आप शराफत से बात करो या बदतमीजी से वह तो शांत ही रहेगा।' युवक की बात सुनकर डायोजिनीज मुस्कुरा कर बोले, 'बिल्कुल सही कहा, तुमने कि भला एक पत्थर क्या जवाब देगा? वह तो शांत ही रहेगा तो मैं भी इस पत्थर से यही सीखने का प्रयास कर रहा हूं।

सामयिक

दुश्मनों की साजिशों पर भी चलेगा चन्द्रयान का बुलडोजर

आचार्य विष्णु हरि सरस्वती
मोबाइल : 9315206123

चन्द्रयान तीन की सफलता के साथ ही साथ पाकिस्तान और चीन के मुंह पर ताले लग गये, उनकी हंसी विध्वंस हो गयी, देश के टुकड़े-टुकड़े गिरोह की मंसूबे फिर गये, भारत की उपलब्धियों को कम आंकने वाले और विरोध करने वालों के चेहरे मुरझा गये, ब्रेक्रिंग इंडिया के ख्वाब रखने वाले समूह पर वज्रपात हो गया। मैंकिंग इंडिया का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण को दुनिया ने देखा और चकित भी हुआ। अब हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया के सिर पर चढ कर बोलेगा। देश के शत्रुओं को सबक सिखाने में चन्द्रयान की भूमिका सर्वश्रेष्ठ होगी।

चन्द्रयान-टू की विफलता की खुशी विधर्मियों ने खूब मनायी थी, टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने खूब नाची थी। अमेरिका और यूरोप ने भी राहत की सांस ली थी। थोड़ा तथ्य और उदाहरण भी देख लीजिये। देश के ही नहीं बल्कि पाकिस्तान के विधर्मी भी हंसी उडाने में साथ-साथ थे। तब पाकिस्तान के तत्कालीन विज्ञान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि जो काम नहीं आता उसमें पंगा लेने का नहीं, नालायकों ने 900 करोड़ बर्बाद कर दिये। पाकिस्तान सेना के तत्कालीन प्रवक्ता आसिफ गफूर ने कहा था कि चन्द्रयान-टू को विफल कर अल्ला ने हिन्दुओं के मुंह पर तमाचा मारा है, भारत ने हमारे मुस्लिमों को कैद कर रखा है, उसी की सजा मिली है।

कांग्रेस के राज में इसरो के वैज्ञानिकों के साथ क्या-क्या होता था, यह भी जान लीजिये। इसरो के प्रमुख वैज्ञानिक नंबी नारायण को गलत और साजिश के तहत फंसाया गया, उन्हें जेल भेजा गया। बाद में सुप्रीम कोर्ट से बरी हुए और यह साबित हुआ कि कांग्रेस के राज में उन्हें गलत ढंग से फंसाया गया, ताकि भारत की टैक्नोलॉजी विकास और अंतरिक्ष की योजनाए सफल नहीं हो सके। सच तो यह था कि पाकिस्तान की आईएसआई और अमेरिका तथा चीन के जासूसों ने जाल बिछाया था और तथ्यारोपण किया था। पाकिस्तान, चीन की भूमिका बहुत ही खतरनाक थी। पाकिस्तान और चीन किसी भी परिस्थिति में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को कुचलना चाहते थे। जाहिर तौर पर नम्बी नारायण की गिरफ्तारी के साथ ही साथ चीन और पाकिस्तान की साजिश और करतूत कामयाब हुई थी। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम सालों पीछे चला गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नजर डाल कर इस प्रसंग में कोई भी ज्ञानर्जन कर सकता है और कांग्रेस राज में वैज्ञानिकों और देश की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने की करतूत से अवगत हो सकता है।

चन्द्रयान-3 की सफलता ने हमें गर्व भरे क्षण उपलब्ध कराये हैं। इस गर्व के क्षण को सभी भारतीयों को महसूस करना चाहिए। विखंडनकारी शक्तियां राष्टभक्ति के सामने पराजित ही होती हैं। चन्द्रयान तीन ने भारत विरोधियों को आईना दिखाया है। दुनिया की कोई हिंसक और अराजक शक्ति अब भारत को आंख नहीं दिखा सकता है। अब दुनिया को भारत की बढ़ती हुई अंतरिक्ष शक्ति और विश्व गुरू की भूमिका को स्वीकार करना ही होगा।

चन्द्रयान-2 की हमारी विफलता जरूर थी पर हमारी तैयारियां और भविष्य दृष्टि गलत नहीं थी। हमारे वैज्ञानिकों का अनुसंधान चाकचौबंद ही नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ था। आंशिक चूक के कारण चन्द्रयान-2 अपने लक्ष्य तक पहुंच कर भी सफल नहीं हो सका। स्थापित तथ्य यह है कि वीर और दूरदृष्टि रखने वाले लोग अपनी विफलता और पराजय में भी अपनी सफलता देख लेते हैं। हमारे वैज्ञानिकों के पास वीरता भी थी, समर्पण भी था और दूरदृष्टि भी थी। हमारे वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी, पूरे समर्पण के साथ दूरदृष्टि दिखायी। फिर सफलता मिलना ही था। भारतीय वैज्ञानिकों ने दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है और संदेश दिया है कि विफलता और हार में भी अपनी जीत देखो, दूरदृष्टि देखो और आगे सफल होने के लिए समर्पण के साथ काम करो। फिर सफलता-जीत मिलनी तय है।

कुछ बेवकूफ टाइप के लोग, विरोध के नाम पर सच को भी कुचलने वाले राजनीतिक दल और टुकड़े-टुकड़े गिरोह, विधर्मियों का गिरोह आदि इस उपलब्धि को लेकर हिंसक और अपमानजनक बातें भी कर रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान को स्वीकार करने के लिए तैयार ही नहीं है। कह रहे हैं कि इसमें नरेन्द्र मोदी का योगदान क्या है, नरेन्द्र मोदी तो अनपढ है, नरेन्द्र मोदी का शैक्षणिक सर्टिफिकेट फर्जी है, क्या नरेन्द्र मोदी वैज्ञानिक है? इसके अलावा भी हिंसक और अपमानित करने वाली प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह सब सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान को कैसे नकारा जा सकता है? अज्ञानी लोगों के लिए जानना यह जरूरी है कि सभी प्रकार के विकास और उन्नति में सरकार की भूमिका अग्रणी होती है। हमारे वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि महान जरूर है, उनके पराक्रम को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन वैज्ञानिकों को इस तरह का अवसर कौन देता है? क्या इस तरह के अवसर को खुद वैज्ञानिक निर्मित कर सकते हैं? इस तरह के अवसर को उपलब्धि में बदलने के लिए कोई दो-चार करोड़ नहीं बल्कि हजारों करोड़ रूपये की जरूरत होती है। क्या कोई वैज्ञानिक हजारों करोड़ रूपये खुद जुटा सकता है? चन्द्रयान तीन के लिए करीब दो हजार करोड़ रूपये की जरूरत थी। ये दो हजार करोड़ रूपये नरेन्द्र मोदी सरकार ने उपलब्ध करायी थी। नरेन्द्र मोदी सरकार अगर दो हजार करोड़ रूपये इसरो को उपलब्ध नहीं करायी होती तो फिर चन्द्रयान तीन का कार्यक्रम शुरू तक नहीं होता। इसलिए नरेन्द्र मोदी की भूमिका और योगदान को नजरअंदाज करना मुश्किल है।

भारत विरोधी दुश्मनों की कई साजिशें भी होगी नाकाम। खासकर चीन और पाकिस्तान की सीमा पर हमारी सैनिक शक्ति को मजबूती मिलेगी। चन्द्रयान-3 चीन और पाकिस्तान की सीमा पर गतिविधियों को पकड़ने में भी भूमिका निभा सकता है। चीन ने सीमा पर भारतीय सैनिकों की गतिविधियों को पकडने के लिए 72 मिलिटरी सेटेलाइट छोड़ रखे हैं। चीन और पाकिस्तान हमारी सीमा पर हिंसक गतिविधियां किस प्रकार से सक्रिय रखते हैं, यह बताने की जरूरत है।

चन्द्रयान-3 की सफलता ने हमें गर्व भरे क्षण उपलब्ध कराये हैं। इस गर्व के क्षण को सभी भारतीयों को महसूस करना चाहिए। विखंडनकारी शक्तियां राष्टभक्ति के सामने पराजित ही होती हैं। चन्द्रयान तीन ने भारत विरोधियों को आईना दिखाया है। दुनिया की कोई हिंसक और अराजक शक्ति अब भारत को आंख नहीं दिखा सकता है। अब दुनिया को भारत की बढ़ती हुई अंतरिक्ष शक्ति और विश्व गुरू की भूमिका को स्वीकार करना ही होगा।

विशेष

चंद्रयान -3 : भारत की एक और छलांग

सुरेश हिन्दुस्थानी
मोबाइल : 9770015780

आज याद आ रही है, उस भारत देश की, जो वैश्विक नेतृत्व का अधिकारी रहा। एक बार पुनः भारत ने उसी दिशा की ओर अपने कदम बढ़ाए हैं, जो विश्व का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। आज समूचे विश्व ने उस भारत का साक्षात्कार किया है, जो जगत की समस्त शक्तियों का भंडार है। भारत में अवधारणाएं प्रचिलित हैं, वह मिथक नहीं, वास्तविक हैं, लेकिन भारत अपनी शक्ति को विस्मृत कर चुका था, उस हनुमान की तरह जो महा बलशाली होने के बाद भी उन्हें अपनी शक्ति का अहसास नहीं था। आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जामवंत की भूमिका का निर्वाह करते हुए भारत की सोई हुई शक्ति को जगाने का कार्य करते दिखाई दे रहे हैं। बेशक वे भाजपा के नेता हैं, लेकिन हमें ऐसी दृष्टि विकसित करनी होगी, जो भारत के हित में है। यानी वह भारत देश का नेतृत्व कर रहे। वे देश के 140 करोड़ जनता के लोकतांत्रिक मुखिया हैं। जब हम यह दृष्टि विकसित करेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें नरेंद्र मोदी में एक ऐसा सपूत दिखाई देगा, जिसकी भारत को जरूरत है।

भारत ने चांद पर कदम रखते ही अपना नाम उस कतार में शामिल कर लिया, जो वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर जाता है। चंद्रयान तीन की खास उपलब्धि यह है कि भारत ने यह यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजा है, जहां आज तक विश्व का कोई देश नहीं पहुंच सका है। इसका आशय यही है कि भारत मे वह शक्ति है, जो

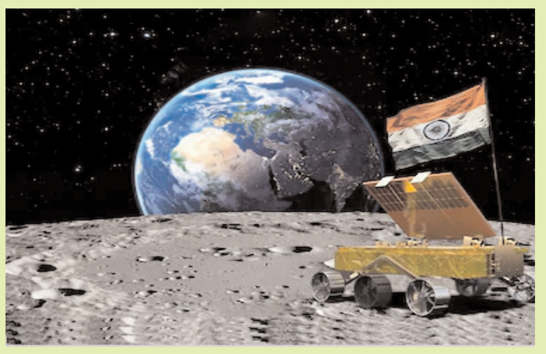

विश्व को आश्चर्यचकित कर सकती है। चंद्रमा पर भारत के तिरंगा लहराने के साथ ही आज वर्षों पूर्व का यह भ्रम भी टूट गया है, जिसमें कहा जाता था कि भारत ऐसा नहीं कर सकता। हालांकि भारतीय जनमानस में इस प्रकार धारणा स्थापित करने के लिए एक सुनियोजित नरेटिव स्थापित किया गया। इसके कारण भारत की जनता के मानस में यह पूरी तरह से स्थापित हो गया था कि हम बहुत पीछे हैं, जबकि यह सत्य नहीं था। हमें एक वैश्विक योजना के तहत पीछे करने का षड्यंत्र किया गया। यह षड्यंत्र आज भी चल रहा है। इसलिए कुछ लोग विदेशी शिक्षा को भारत की शिक्षा से बेहतर बताने का कुत्सित प्रयास करते है, जबकि यह सत्य नहीं है। पुरातन और श्रेष्ठ भारत की कल्पना का अध्ययन किया जाए तो हमारे शास्त्र इस बात को परिभाषित करने में पूरी तरह से सक्षम हैं कि हमारा भारत ज्ञान और विज्ञान के मामले में अन्य देशों से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। इस प्रकार यही कहा जा सकता है कि जहां विश्व का ज्ञान और विज्ञान समाप्त हो जाता है, वहां से भारत का ज्ञान और विज्ञान का प्रारंभ होता है। कौन नहीं जानता कि भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षा संस्थान थे, लेकिन गुलामी के काल खंड में इन शिक्षा केंद्रों को नष्ट कर दिया। इसके बाद भी भारत के पास ज्ञान और विज्ञान की कोई कमी नहीं रही, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। आज हम चांद पर पहुंचे हैं, जो भारत की शक्ति का प्रस्फुटन है। अब विश्व के सभी देश यह स्वीकार करने की ओर विवश हुए हैं कि भारत एक बड़ी महाशक्ति है। अब भारत को इस महाशक्ति का ज्ञान हो चुका है। भारत अपनी निद्रा से बाहर आ चुका है। अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे का भारत और भी ज्यादा अपने सामर्थ्य का प्रदर्शन करेगा। हमारे देश के वैज्ञानिकों विश्व को कई बार इस बात का अहसास कराया है कि हम किसी भी मामले में कम नहीं है। आज का भारत उन सभी चीजों का निर्माण करने में सक्षम है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। चाहे वह कम्प्यूटर का मामला हो या फिर रेल की बात हो। आज तकनीकी ज्ञान में हम विश्व का मुकाबला करने में सक्षम हैं। ऐसा इसलिए भी दावे के साथ कहा जा सकता है, क्योंकि आज से पूर्व जिन देशों ने चांद पर पहुंचने का प्रयास किया, वह बहुत ही महंगे थे, लेकिन भारत ने उनसे बहुत कम व्यय करके अपने आपको स्थापित किया। चंद्रयान तीन ने भारत के यश को स्थापित किया है। विश्व में भारत का जय जय गान हो रहा है। जो हमें गौरव की अनुभूति करा रहा है। एक श्रेष्ठ भारत का अहसास कराने का बोध करा रहा है। एक ऐसा भारत जो विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है।

चिंतन

हम कब तक पालेंगे साम्प्रदायिकता का रोग?

ललित गर्ग
मोबाईल: 9811051133

कांग्रेस और उसके नेता लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव आने से पहले अपनी राजनीति चमकाने के लिए समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम शुरु कर दिया हैं। लेकिन धार्मिक व जातीय आधार पर की जा रही इस तरह की जहर उगलने वाली राजनीति के चलते धार्मिक सौहार्द बिगड़ा रहा है। पार्टी के ही एक बुर्जुग नेता और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने विदिशा के एक जलसे में शिरकत करते हुए सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने कड़वे बोल बोले है। क्या उनका भाषण कांग्रेस की विचारधारा को पोषित करने वाला है या पार्टी की उम्मीदों को पलीता लगाने वाला भी साबित हो सकता है। कुरैशी ने कहा कि 'हिन्दुस्तान में 22 करोड़ मुसलमान हैं और एक-दो करोड़ मर भी जाएं तो कोई बात नहीं...।' यह विडंबना ही है कि ऐसे वक्त पर, जब देश और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को बढावा देने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर शांति-मार्च निकाल रहे हैं ऐसे वक्त में उनके नेता साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचा रहे हैं।

एक तरफ कुरैशी उन्मादी भाषण दे रहे थे, तो दूसरी ओर उसी मध्यप्रदेश के सागर में अपनी चुनावी संभावनाओं को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बड़े वादे व दावे कर रहे थे। क्या यह कांग्रेस का दोगला चरित्र नहीं है? लगता तो यही है कि कुरैशी कांग्रेस की परम्परा एवं सोच को ही आगे बढ़ा रहे हैं। वरना पार्टी में ऐसी संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी सोच पर सख्त पहरेदारी होती तो क्या कुरैशी ऐसा दुस्साहस कर पाते। निश्चित ही पार्टी ही साम्प्रदायिकता एवं जातीयता को बल देती है, तभी एक बुजुर्ग एवं जिम्मेदारी नेता कुरैशी का 'मुसलमानों ने चूड़ियां नहीं पहन रखीं' जैसे बयानों पर पार्टी मौन रह जाती है। ऐसे एक समुदाय विशेष को उकसाने वाले बयान निश्चित ही राजनीतिक प्रेरित होते हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जायेगा, समुदायों को

भड़काने वाले बयानों में तीव्रता एवं उग्रता देखने को मिलेगी। चुनावी छाया में लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सामाजिक समरसता को धोने की कुचेष्टाएं बढ़-चढ़ कर देखने को मिलेगी।

यह पहली बार बार नहीं है, जब अजीज कुरैशी ने कोई आपत्तिजनक बयान दिया है। गवर्नर पद पर रहते हुए भी वह भाषायी मर्यादाओं का उल्लंघन कर चुके हैं। लेकिन इस वक्त उनके बयान से उनकी ही पार्टी को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मध्यप्रदेश में चुनावी प्रक्रिया भले न शुरू हुई हो, मगर दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टियां- भाजपा और कांग्रेस जोर-शोर से प्रचार में जुट गई हैं। ऐसे में, अपने बड़बोलेपन एवं उच्छृंखलता से कुरैशी ने विरोधी दल के हाथों में धार्मिक ध्रुवींकरण का एक मुद्दा तो थमा ही दिया है। वैसे इस तरह के उन्मादी एवं विषवमन करने वाले बयानों से कितनी राजनीतिक लाभ की रोटियां सिकती है, कहा नहीं जा सकता, लेकिन इनसे सामाजिक समरसता निश्चित ही धुंधलाती है। ऐसा नहीं कि कुरैशी इस हकीकत से अनभिज्ञ है, मगर सस्ती लोकप्रियता की चाह और तालियों की भूख सियासी लोगों को हमेशा जिम्मेदारी एवं राष्ट्र के प्रति वफादारी से दूर करती है।

भले ही कुछ लोग जाति, धर्म के नाम पर समाज में घृणा फैलाते हों पर इसी समाज में ऐसे लोग भी हैं जिनकी बदौलत देश और समाज में परस्पर प्रेमपूर्वक मिल-जुल कर रहने की भावना जिंदा है। जहां एक ओर देश में जाति और धर्म के नाम पर कुछ लोग नफरत फैला कर अपने कृत्यों से माहौल बिगाड़ रहे हैं, वहीं अनेक स्थानों पर हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के सदस्य भाईचारे और सद्भाव के अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रहे हैं। जहां हरियाणा के मेवात क्षेत्र का नूंह बजरंग दल-विहिप के जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा से दहल गया था, वही देश और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को बढावा देने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर शांति-मार्च निकाल रहे हैं। बीते शुक्रवार को ही मुंब्रा कौसा के शांति-मार्च में हजारों मुस्लिमों ने शिरकत की थी। उससे पहले नूंह, मेवात में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद दोनों समुदायों के लोग हाथ में हाथ डालकर जिस तरह खड़े हुए, उससे देश के अमनपसंद लोगों का यह यकीन फिर बहाल हुआ कि चंद सिरफिरे लोग अपनी हरकतों से इस देश के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट नहीं पहुंचा सकते। ऐसे में, कुरैशी के आपत्तिजनक बयान की निंदा ही नहीं, घोर भर्त्सना की जानी चाहिए।

आज भारत आगे बढ़ रहा है, तरक्की कर रहा है, गरीबी दूर हो रही है, शिक्षा का विस्तार हो रहा है, विकास की नयी गाथाएं लिखी जा रही है, जिसका लाभ सभी को मिलेगा, मुस्लिम समुदाय भी उसमें बराबर का हिस्सेदार होगा। बावजूद इससे यह वाकई अफसोसजनक है कि उम्र के जिस पड़ाव पर कुरैशी आज खड़े हैं, उन्हें अपने अनुभवों से अपनी समुदाय के लिए सौहार्द एवं सद्भावना की नई खिड़कियां खोलनी चाहिए थी, मगर वह उकसाने वाली बोली बोल रहे हैं। हालांकि, यह एक मजहब या बिरादरी की बात नहीं है, सभी धर्मों और बिरादरियों में ऐसे ख्याल के लोग मौजूद हैं। जरूरत उन्हें आईना दिखाते रहने की हैं कि तरक्की एवं अमन का रास्ता खून-खराबे से नहीं, भाईचारे, सौहार्द और साझेदारी से होकर ही नये दरवाजे खोलता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

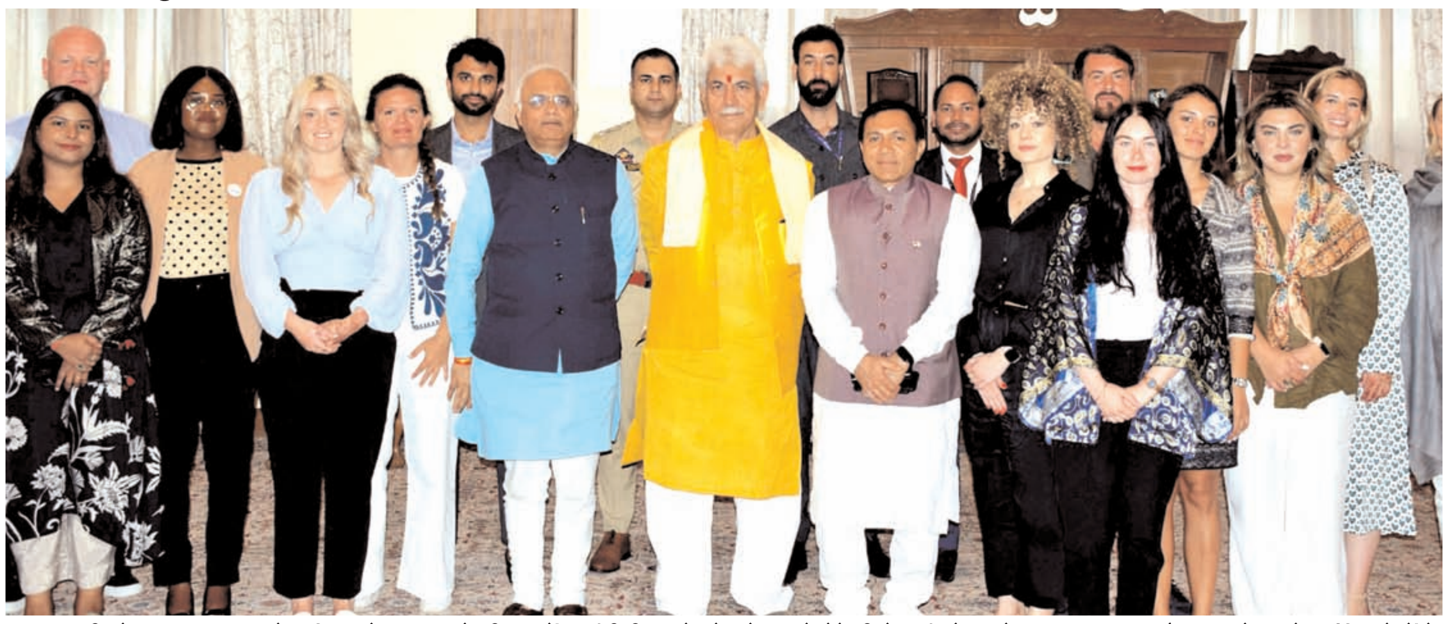

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को श्रीनगर में आईसीसीआर के जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत भारत का दौरा कर रहे 9 लोकतांत्रिक देशों के 19 युवा नेताओं से बातचीत की।

वैश्विक चुनौतियों के लिए भारत का ष्टिकोण 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' में निहित : रुचिरा कंबोज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तैयार भारत की राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा है कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए उनके देश का दृष्टिकोण 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार में निहित है और यही सिद्धांत विश्व निकाय के भीतर उसके सहयोग का मार्गदर्शन करता है तथा चंद्रमा पर उतरने की उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धि पर इसके दृष्टिकोण को भी रेखांकित करता है। भारत के चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करने के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने यहां विश्व निकाय के पत्रकारों को संबोधित किया। कंबोज ने बुधवार को कहा, ''कुछ दिन में... भारत नयी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा... वैश्विक चुनौतियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार में निहित है। यही सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र के भीतर हमारे सहयोग का मार्गदर्शन और चंद्रमा पर उतरने की आज की उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धि पर देश के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।''

कंबोज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को दोहराया जिन्होंने चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद कहा था कि भारत का सफल चंद्र अभियान सिर्फ भारत की एकमात्र सफलता नहीं है। मोदी ने कहा कि यह ऐसा साल है जब दुनिया भारत की जी-20 अध्यक्षता को भी देखेगी। उन्होंने कहा, '''एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण की गूंज पूरी दुनिया में है। मानव केंद्रित जिस दृष्टिकोण को हम प्रस्तुत करते हैं उसका पूरी दुनिया में स्वागत किया गया है। हमारा चंद्र मिशन भी इस मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इसलिए यह सफलता पूरी मानवता से संबंधित है और यह भविष्य में अन्य देशों के चंद्र अभियानों में मदद करेगी।''

चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर भारत ने इतिहास रच दिया। इसके साथ ही भारत दुनिया के उन देशों की जमात में शामिल हो गया जिनके रोवर चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। लेकिन भारत दुनिया का ऐसा पहला देश है जो चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर खोज करेगा। भारत से पहले अमेरिका, चीन और पूर्ववर्ती सोवियत संघ चंद्रमा की सतह पर रोवर भेज चुके हैं। भारत ने एक दिसंबर, 2022 को जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और अब तक वह देश भर के शहरों में 200 से अधिक बैठकें और संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर चुका है जिसका समापन नयी दिल्ली में 9-10 सितंबर को वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन के आयोजन के साथ होगा जिसमें 40 से अधिक राष्ट्र प्रमुख और सरकार के प्रमुख तथा अंतरराष्ट्रीय संगठन हिस्सा लेंगे।

चंद्रयान-3 की सफलता पर गर्व है, आपके साथी बनकर खुश हैं : अमेरिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन।चांद पर चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक उतरने के लिए अमेरिकी राजनेताओं, समाचार पत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थानों ने बुधवार को भारत की सराहना की। इस उपलब्धि के साथ ही भारत, अमेरिका, रूस और चीन के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गया, जिनके पास चंद्रमा की सतह पर अपना रोवर है। अंतरिक्ष अभियान में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे देश चांद के इस क्षेत्र में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा चंद्र सतह पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मानना है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में पानी का पता चल सकता है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, 'चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में चंद्रयान -3 की सफलतापूर्वक और ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए भारत को बधाई।' हैरिस ने कहा, 'इस मिशन में शामिल सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। हमें इस मिशन और अंतरिक्ष खोज में आपके साथ व्यापक रूप से जुड़े रहने पर गर्व है।' उपराष्ट्रपति हैरिस 'नेशनल स्पेस काउंसिल' की प्रमुख भी हैं। हैरिस की मां भारतीय थीं। इस साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका दौरे में अंतरिक्ष सहयोग, चर्चा के

प्रमुख विषयों में से एक था। मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत ने आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और साथ ही दोनों देशों ने मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को लेकर काम करने का फैसला किया था।

नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा, 'चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग पर इसरो को बधाई। भारत को चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनने पर बधाई। हम इस मिशन में आपके भागीदार बनकर खुश हैं।' चंद्रयान-3, बुधवार शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतर गया। अभी तक कोई भी अन्य देश चांद के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं पहुंच पाया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दक्षिणी ध्रुव पर जमे हुए पानी और बहुमूल्य तत्वों के महत्वपूर्ण भंडार हो सकते हैं। दक्षिणी ध्रुव पर जा रहा रूस का लूना-25 अंतरिक्ष यान रविवार को अनियंत्रित होकर चंद्रमा की सतह से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा, 'चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए इसरो और भारत के लोगों को बधाई। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष खोज पर हम भारत के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक एवं तत्पर हैं।' सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान-3 का उतरना 'नए भारत की जीत की हुंकार' है। कांग्रेस के सदस्य रिच मैककॉर्मिक ने कहा, 'यह भारत में हमारे दोस्तों के लिए एक अद्भुत उपलब्धि है।'

द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद चंद्रयान की 'लैंडिंग' पाक मीडिया में पहले पन्ने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद पाकिस्तानी मीडिया व अखबारों ने बृहस्पतिवार को भारत के चंद्रयान की चंद्रमा पर ऐतिहासिक 'सॉफ्ट लैंडिंग' को पहले पन्ने पर जगह दी जबकि एक पूर्व मंत्री ने इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी 'इसरो' के लिए एक महान क्षण कहा। अधिकांश पाकिस्तानी अखबारों और वेबसाइटों की मुख्य खबर थी, 'भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना'। यह चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारने का भारत का दूसरा प्रयास था और रूस के लूना-25 मिशन के विफल होने के एक सप्ताह से भी कम समय में देश को यह सफलता मिली है। 'जियो न्यूज' ने अपने वेब डेस्क पर लैंडिंग के बारे में एक खबर प्रकाशित की जिसमें कहा गया कि भारत का चंद्रयान-3 श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुरू होने वाली 40 दिनों की यात्रा और अंतरिक्ष दुर्घटना के इतिहास के बाद आखिरकार चंद्रमा पर उतर गया है।

'द न्यूज इंटरनेशनल', 'द डॉन', 'बिजनेस रिकॉर्डर', 'दुनिया न्यूज' और अन्य ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों की खबर प्रकाशित कीं। इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार में संघीय सूचना और प्रसारण मंत्री रहे फवाद चौधरी ने इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिए एक महान क्षण बताया। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के पूर्व वरिष्ठ सदस्य चौधरी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, चंद्रयान-3 का चंद्रमा पर उतरना इसरो के लिए बेहद शानदार पल है, मैं बहुत से युवा वैज्ञानिकों को इसरो के अध्यक्ष सोमनाथ के साथ इस पल का जश्न मनाते हुए देख सकता हूं; केवल सपनों वाली युवा पीढ़ी ही दुनिया बदल सकती है... शुभकामनाएं। लैंडिंग से पहले उन्होंने कहा, सभी की निगाहें चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर शाम 5:40 बजे होने वाली लैंडिंग पर हैं, भारतीय विज्ञान समुदाय और अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए महान दिन, इस महान उपलब्धि पर भारत के लोगों को बधाई। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया से चंद्रयान की चंद्रमा पर लैंडिंग का 'लाइवस्ट्रीम' (इंटरनेट के माध्यम से सीधा प्रसारण) करने को कहा था।

अमिताभ बच्चन ने कहा, बहुत सक्षम कलाकार हैं शाहरुख खान

नई दिल्ली/एजेन्सी

'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के होस्ट मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने शो में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह बहुत सक्षम कलाकार हैं। क्विज आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के आठवें एपिसोड में लखनऊ से आई प्रतियोगी अपर्णा सिंह ने बॉलीवुड के बादशाह से लेकर अमिताभ बच्चन तक की प्रशंसा की। बिग बी के साथ एक मनोरंजक बातचीत में 28 वर्षीय अपर्णा ने छोटे व्यवसायों के लिए डिजिटल विकास को बढ़ावा देने की अपनी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही डेटा संग्रह की जटिलताओं और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के विज्ञापन तंत्र पर प्रकाश डाला। शो में 10,000 रुपये के सवाल के लिए अपर्णा से पूछा गया, शाहरुख खान अभिनीत इनमें से कौन सी फिल्म करण जौहर द्वारा निर्देशित नहीं है? विकल्प थे, माई नेम इज खान, कुछ कुछ होता है, जब तक है जान, और कभी खुशी कभी गम। अपर्णा ने सही उत्तर चुना जो था 'जब तक है जान'। इसके बाद उन्होंने खुलासा किया कि वह शाहरुख खान की

बहुत बड़ी प्रशंसक हैं।

इन खुलासों के बीच अपर्णा का शाहरुख खान के प्रति अटूट स्नेह दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि शाहरुख जी मेरे बहुत पसंदीदा अभिनेता हैं। बिग बी ने कहा कि आप पसंदीदा शब्द को इतना क्यों खींच रहे हैं? मैं जब भी उनसे मिलूंगा तो उन्हें आपके बारे में बताऊंगा। मैं कहूंगा कि अपर्णा केबीसी के सेट पर आपकी तारीफ कर रही थीं। अपर्णा ने कहा, जब वो स्माइल करते हैं तो उनके डिंपल आते हैं, और फिर हम बस ऐसे फ्लैट हो जाते हैं। अपर्णा ने बिग बी से पूछा: क्या उनकी मुस्कान आप पर भी वैसे ही काम करती है जैसे हम पर काम करती है? 80 वर्षीय अभिनेता ने जवाब दिया, मैंने उनके साथ जिन भी फिल्मों में काम किया है, वो (एसआरके) हंसते हैं हम गिर जाते हैं। वह बहुत सक्षम कलाकार हैं। मैं उन्हें आपका मोबाइल नंबर दे दूंगा। लेकिन आपको उससे जवाब मिलेगा या नहीं, ये मेरी जिम्मेदारी नहीं है।'' इसके बाद अपर्णा ने कहा, एकतरफा प्यार की किस्मत बहुत मजबूत होती है। यह शाहरुख का ही डायलॉग है। अपर्णा की मां ने चंचलतापूर्वक अमिताभ बच्चन के प्रति अपनी प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा, सर, अपर्णा शाहरुख जी की फैन हैं और हम आपके फैन हैं।'' बिग बी ने कहा, बहुत बहुत धन्यवाद आपका। उन्होंने अपर्णा से आगे कहा, आप क्या समझती हैं, हमारा कोई फैन नहीं है? आपकी माताजी हमारी फैन हैं।'' 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15' सोनी पर प्रसारित होता है।

अभिनेत्री सीमा आर देव का 81 साल की उम्र में निधन

मुंबई/एजेन्सी

1971 की सुपरहिट फिल्म 'आनंद' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दिग्गज बॉलीवुड और मराठी फिल्म अभिनेत्री सीमा आर. देव का लंबी बीमारी के बाद मुंबई में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने गुरुवार को ये जानकारी दी। वह 81 वर्ष की थीं और अल्जाइमर रोग और अन्य बीमारियों से लंबी लड़ाई के बाद गुरुवार सुबह एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। मुंबई में नलिनी सराफ के रूप में जन्मी सीमा देव के परिवार में उनके बेटे अभिनेता अजिंक्य और निर्देशक अभिनय हैं।

सीमा देव ने भारतीय फिल्म उद्योग के काले और सफेद से रंगीन युग तक छह दशकों से अधिक लंबे करियर में लगभग 90 हिंदी और मराठी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें अपने पति रमेश और

अमिताभ बच्चन सहित अन्य अभिनेताओं के साथ म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर 'आनंद' में प्रमुख भूमिका के लिए बेहद याद किया जाता है। बॉलीवुड की शीर्ष हस्तियों ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है और सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त किया है।

फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की आने वाली फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह ने फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक को अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। फिल्म के पोस्टर में अक्षरा बेहद गुस्से में हाथ में हसुआ तिये नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह की यह फिल्म महिला सशक्तिकरण पर आधारित होने वाली है। वहीं, अक्षरा सिंह ने इस फिल्म के लिए खुशी का इजहार किया और फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार एवं कुलदीप श्रीवास्तव के साथ निर्देशक देव पांडेय और लेखक राकेश त्रिपाठी का आभार जताया। अक्षरा ने कहा कि इतनी खूबसूरत फिल्म बनाने के लिए मैं इन सबों की शुक्रगुजार हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मेरे नाम के टाइटल के साथ फिल्म बन रही है और उसमें मैं लीड रोल में हूं। इसका फर्स्ट लुक आज जारी हो गया है। मैं अपने फैंस से आग्रह करूंगी कि आप मेरे इस फिल्म के फर्स्ट लुक पर खुल कर अपनी राय व्यक्त करें। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि फिल्म और भी बेहतरीन होने वाली है।

वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म अक्षरा में अक्षरा सिंह के साथ अंशुमान मिश्रा, धानी गुप्ता, विनोद मिश्रा, अनुप अरोरा, विनीत विशाल, जे.नीलम, मटरू, बीना पांडे, शुभकिशन

शुक्ला, प्रतिभा साहू, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, सीपी भट्ट, संजीव मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, संजू सोलंकी, रिंकी शुक्ला, आर.नरेंद्र, आर्यन विश्वकर्मा, कानू मुखर्जी, सोनू सनम माही, कन्हिया एस.विश्वकर्मा, सौरव चौधरी, सनाया गुप्ता, रितिका सिंह, पप्पू खान, एचआरपी बाबू, चंचल त्रिपाठी और सतीश यादव प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार ओम झा और गीतकार प्यारे लाल यादव 'कवि जी', सभा वर्मा, फनिदर राव एवं राकेश निराला हैं।

पैपराजी पर भड़की सारा

मुंबई/एजेन्सी

सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके की सफलता का आनन्द उठा रही हैं। इस फिल्म में सारा अली खान विक्की कौशल के साथ नजर आई थी। 2 जून को प्रदर्शित हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस आशान्वित नहीं था, लेकिन यह 2023 की स्लीपर हिट साबित हुई। फिल्म को दर्शकों से सराहना मिली और इसने 100 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की। इसकी सफलता के बाद से ही सारा सुर्खियों में बनी हुई हैं। सारा सोशल मीडिया पर अपनी फोटो व वीडियो शेयर कर फैंस को खुश होने का मौका देती हैं। वैसे पब्लिक प्लेस पर भी उनकी इमेज फ्रेंडली है और वह हमेशा हंसती-मुस्कुराती मिलती हैं। यहां तक कि वह पैपराजी से भी खुलकर मिलती हैं और उन्होंने इच्छानुसार पोज देती हैं। इससे वह पैपराजी की भी पसंदीदा सेलेब्रिटी बनी हुई हैं। हालांकि इन दिनों सारा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पैपराजी के प्रति उनका व्यवहार अच्छा नहीं है। दरअसल सारा दोस्तों के साथ मूवी देखने गई थीं, जहां उन्हें पैपराजी पर गुस्सा आ गया। सारा ने पहले तो अपने नेचर के हिसाब से खुश होकर पैपराजी को पोज दिए। उसके बाद वह थिएटर का दरवाजा खुलने का इंतजार करने लगीं। पैपराजी फिर भी उनकी फोटो लेने के साथ वीडियो बनाते रहे। इससे सारा भड़क गईं और उन्होंने कहा-सर, प्लीज अभी बंद करो ना, मुझे अच्छा नहीं लगता।

60 करोड़ में बनी गदर-2 ने कमाए 400 करोड़, सनी ने 80% बढ़ाई फीस

मुंबई/एजेन्सी

गदर-2 इन दिनों कमाई के कमाई के रिकॉर्ड्स बना रही है। फिल्म ने दो हफ्ते के भीतर 400 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। सभी को उत्सुकता इस बात की है कि इतने कम समय में इतनी बड़ी कमाई करने वाली गदर-2 का असली बजट कितना है। अब फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने फिल्म के बजट के बारे में जानकारी दी है। अनिल के मुताबिक, गदर-2 को बनाने में 60 करोड़ रुपए का खर्चा आया था। इस हिसाब से फिल्म ने अपनी लागत से सात गुना ज्यादा पैसा कमा लिया है। अनिल शर्मा ने कहा कि किसी को उम्मीद नहीं थी कि गदर-2 इतना कमा लेगी। फाइनेंसर्स की तरफ से इसी वजह से ज्यादा पैसे नहीं मिले थे। अनिल शर्मा ने न्यूज 18 से कहा- लोगों को लगा कि अनिल शर्मा अब फिल्में नहीं बनाता है। सबको लगा कि सनी देओल की फिल्में अब नहीं चलती हैं। उत्कर्ष नया है, सिमरत और मनीष वाधवा उस वक्त तक प्रोजेक्ट के साथ जुड़े नहीं थे। लोगों को लगा कि मैं अपने बेटे के लिए फिल्म बना

रहा हूं। हालांकि एक बात सभी भूल गए कि गदर एक फिल्म नहीं बल्कि ब्रांड है।

अनिल शर्मा ने कहा- शायद शुरुआती वक्त में फिल्म को हल्के में लिया गया था। इसी वजह से हमें बजट भी ज्यादा नहीं मिला। आज के दौर में जहां फिल्म 600 करोड़ में बनती हैं, हमने इस फिल्म को 60 करोड़ में बना दिया। अनिल ने यहां बिना नाम लिए आदिपुरुष का जिक्र कर दिया, जिसका बजट 600 करोड़ था लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी। अनिल ने गदर के पहले पार्ट का जिक्र करते हुए कहा- गदर के 17.5 करोड़ टिकट बिके थे। हमने सोचा कि उसमें से 5 करोड़ लोग आज भी इसके दूसरे पार्ट को जरूर देखना चाहेंगे। इसी वजह से हमने कोई भी समझौता नहीं किया। हम चाहते थे कि ऐसी स्टोरी डेवलप की जाए जो ऑडियंस से सीधे तौर पर कनेक्ट हो सके। इसी वजह से हमने इतने साल इंतजार किया। तारा सिंह और सकीना की जोड़ी 22 साल बाद पर्दे पर दोबारा नजर आई।

अनिल शर्मा ने कहा कि लिमिटेड बजट होने की वजह से फिल्म में कोई भी तत्रद्ध नहीं यूज किया गया। उन्होंने आगे कहा- यह एक पीरियड फिल्म थी, इसके बावजूद हमने कोई खास सेट या तत्रद्ध का इस्तेमाल नहीं किया। हमने सभी स्टंट रियल रखे। शूटिंग भी रियल लोकेशन पर की गई। आज कल लोग तत्रद्ध पर काफी ज्यादा पैसे खर्च करते हैं। एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए यह बहुत सुविधाजनक हो जाता है। हालांकि हम लोगों ने कम बजट में सब कुछ प्रेक्टिकली किया।

सनी देओल को गदर-2 में काम करने के लिए 10-15 करोड़ रुपए मिले थे। गदर-2 की मेकिंग से जुड़े कुछ लोगों के मुताबिक, सनी देओल पहले ही फीस लेकर किनारे हो गए थे। फिल्म की मेकिंग से पहले उन्हें उनकी मार्केट फीस दे दी गई थी। अब सनी ने गदर-2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद अपनी फीस 80 फीसदी बढ़ा दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 25-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में बुधवार को तेरापंथ भवन में हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए त्यौहार का महत्व बताया।

राजराजेश्वरी नगर में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा पुरानी ढालों के पुनरावर्तन पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। तुलसी स्वर संगम की सदस्याओं द्वारा मंगलाचरण किया गया। उपाध्यक्ष मधु कटारिया ने पुरानी ढालों के पुनरावर्तन की महत्ता बताई। क्विज में 40सदस्याओं ने भाग लिया। 8 ग्रुप बनाए गए जिसमें प्रथम स्थान पर सुंदरी ग्रुप, द्वितीय स्थान पर द्रौपदी ग्रुप रहा। प्रतियोगिता के प्रश्नोत्तरी एवं संचालन में विजयलक्ष्मी मुणोत एवं शारदा बैद ने श्रम दिया। इसके पश्चात सत्तू डेकोरेशन एवं राखी बनाने की प्रतियोगिता में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सत्तू डेकोरेशन प्रतियोगिता में 16 सदस्याओं ने तथा राखी बनाने में 9 सदस्याओं ने भाग लिया। सत्तू सजावट में विजेता बैंगानी प्रथम, बीना बैद में द्वितीय और राखी प्रतियोगिता में प्रथम भूमिका बोथरा एवं द्वितीय रही शिप्रा कोठारी। सभी विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। रंजू सांड एवं मधु कटारिया ने निर्णायक भी भूमिका निभाई। संयोजिका इंदु सेठिया, सहमंत्री वंदना भंसाली, रुचिका पटावरी, सपना छाजेड़, हेमलता सुराणा ने सहयोग दिया। मंत्री पदमा महेर ने धन्यवाद दिया।

हरियाली तीज कार्यक्रम में आयोजित की अनेक प्रतियोगिताएं

गांधीनगर तेरापंथ महिलाओं ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में बुधवार को तेरापंथ भवन में हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए त्यौहार का महत्व बताया। मंत्री ज्योति संचेती ने मंडल की गतिविधियों को बताते हुए सभी को पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की आराधना से जुड़ने का आह्वान किया। बिंदु नाहर, ज्योति संचेती, संगीता आंचलिया ने रोचक शैली द्वारा सास-बहू का संवाद दर्शाया, जिसमें संदेश था कि घर में बहू उसके रूप रंग या दहेज देखकर नहीं बल्कि पढ़ी-लिखी सुशील और संस्कार देखकर लाए। कार्यक्रम में महिलाओं ने मनोरंजन के लिए अनेक प्रकार की प्रतियोगिता जैसे फिट इन दि बॉक्स, मोबाइल कवर साज सज्जा आदि का आयोजन किया गया फिट इन दि बॉक्स में प्रथम स्थान पर श्रेया कोटेचा, द्वितीय स्थान स्वाति कोचेता व तृतीय स्थान संगीता चावत को मिला। अनीता गांधी एवं पुष्पा गन्ना ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मोबाइल कवर साज सज्जा में पहला स्थान मधु बैद, द्वितीय स्थान स्नेहा कोटेचा व तृतीय स्थान पर मीनाक्षी बैद रही। इसकी निर्णायक थीं कांता लोढ़ा। राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा की पुष्पा सेठिया व चित्र सुराणा बनी रानी और खुशी गादिया बनी महारानी। इस प्रतियोगिता की निर्णायक थीं शांति सकलेचा व बिन्दु रायसोनी। प्रायोजक डिंपल प्रसन्न भंडारी व स्वर्णमाला अशोक पोखरणा का मंडल ने सम्मान किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोखा, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, संतोष सोलंकी एवं ज्योति डूंगरवाल आदि उपस्थित थीं।

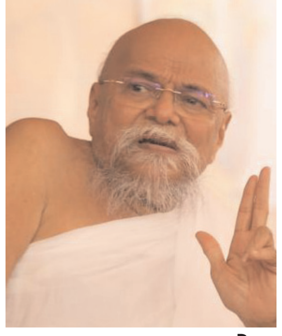

'भगवान बनने के लिए वीतराग बनना जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में 'उपदेशमाला ग्रंथ में श्री धर्मदास गणिजी' के माध्यम से कहा कि भगवान बनना है तो वीतराग बनना पड़ेगा।

जब तक वीतरागता नहीं आएगी, केवलज्ञान नहीं मिलेगा, मोक्ष भी नहीं मिलेगा। वीतराग बनने का लक्ष्य होना चाहिए। अनेक साधना के बाद भी हमें संसार में पकड़ के रखने वाला कोई है तो वह है राग-द्वेष। यह जीवन काल में संकल्प करना है कि अनादि काल के राग-द्वेष को बहुत बहुत कम करके परलोक में जाना है। राग रूपी बंधन को पहचानना बहुत ज़रूरी है। जहां-जहां अशांति है वहाँ-वहाँ राग का बंधन ही कारण है।ब ाजार में नए उपकरण हमारे 5 इंद्रियों के विषयों को उत्तेजना देने के लिए आते ही रहतें हैं, उनके जाल में फंसना या नहीं फंसना ये हमारी पसंद होती है।

अगर वीतरागता पानी है तो निरंतर परिणति को कम करने का प्रयास करना चाहिए। जिस तरह अगर हमें पता चले कि कार गलत दिशा में जा रही है तो पहले हम स्पीड कम करते हैं और फिर यू-टर्न लेते हैं, उसी तरह हमारी आत्मा की साधना गलत दिशा में जा रही है तब हमें पहले गति कम करनी है पुद्गल के आकर्षण को तोड़ कर उनके उपयोग की मात्रा पर नियंत्रण करना है, पुद्गल के प्रति रहा हुआ राग को शून्य पर लाना है और फिर यू टर्न लेकर निश्चय साधना में आगे बढ़ना है और मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ना है।

जीव जैसा कर्म करता हैं वैसा ही भोगता हैं : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा श्रद्धा से साधु साध्वी के दर्शन करने से हमें पुण्य प्राप्त होता है। हमारी आदि व्याधि दूर हो सकती है। हमारा दरिद्र मिट सकता है। देव, गुरु और धर्म के प्रति दृढ़ आस्था और विश्वास रखना चाहिए। हम कई वर्षों से प्रवचन सुन रहे हैं पर हमारे जीवन में परिवर्तन नहीं आया पर, आगमों में रोहिणेय चोर एवं चंडकौशिक सर्प का वर्णन आता है। भगवान महावीर के मात्र कुछ शब्द सुनने से एवं तदानुसार आचरण करने से उनके जीवन का कल्याण हो गया। अरिहंत और सिद्ध हमारे देव हैं। आचार्य, उपाध्याय एवं निर्ग्रन्थ साधु हमारे गुरु है। दयामय, अहिंसा धर्म हमारा धर्म है। अगर हम देव, गुरु और धर्म के प्रति सच्ची आस्था, श्रद्धा और विश्वास रखेंगे तो हमारे जीवन का भी अवश्य कल्याण होगा। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि अपने जीवन को सुंदर बनाने के लिए हमें तीन बातों को अपनाना चाहिए, पहला हमें गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए। गुरु के उपदेशों को अपने जीवन में उतरना चाहिए। दूसरा, आगम हमारे पथ प्रदर्शक हैं। उनको पढ़ने से हमें मालूम पड़ता है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

अतः हमें आगमों का पठन-पाठन अवश्य करना चाहिए। तीसरा, हमें अपने जीवन में कुछ नियम अवश्य धारण करने चाहिए। तीन बातों का पालन करने से हमारा जीवन व्यवस्थित व नियमित बन सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

'मन सही तो हमारी प्रवृत्ति और आराधना भी सही'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन

श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में प्रीतिसुधाश्रीजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार, सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि वर्षों से हम आराधना साधना कर रहे हैं लेकिन उसका फल नहीं मिल रहा है, कारण हमें जहां पर ब्रेक लगाना है, नहीं लगाया। इंद्रियों को नचाने का काम मन पर निर्भर है। मन सही है तो हमारी प्रवृत्ति और आराधना सही है। मन शुभ अशुभ दोनों में जाता है, लेकिन अशुभ में ज्यादा जाता है। जो मन से हारा वह सबसे हारा और जो मन से जीता वह सबसे जीता । आराधना के समय भी संसार की प्रवृत्ति के कारण हम विचलित हो जाते हैं । मन स्प्रिंग की तरह है उसे जितना दबाए उतना ज्यादा उछलता है। इसलिए इसको वश में करना है, न कि दबाना है। मन स्वयं विचार नहीं करता है लेकिन मन से विचार आते हैं। साधना के क्षेत्र में मन को वश करना है, तो पहले समझाना पड़ता है, फिर मन वश में होता है। साध्वीश्री ने कहा कि मन भी घोड़े की तरह चंचल है। मन की रफ्तार हवाई जहाज से भी बहुत तेज है।

सुख हमेशा पाया जाता है धर्म के रास्ते पर चलकर : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि धर्म का प्रभाव सुनकर जो मनुष्य धर्माभिमुख बनता है, वो धर्म के प्रति आकर्षित होता है। सुख पाना है परंतु पाने के लिए पाप के रास्ते पर नहीं जाना है, पाप के रास्ते पर चलकर सुख नहीं पाया जाता। 'सुख हमेशा पाया जाता है धर्म के रास्ते पर चलकर', इस प्रकार का दृढ विश्वास हृदय में स्थापित हो जाने पर मनुष्य की जीवनदृष्टि ही बदल जाती है। इसी प्रकार नौवीं त्रिक के बारे में समझाया कि तीन प्रकार की मुद्रा है (1) योगमुद्रा (2) जिन मुद्रा (3) मुक्ताशुक्ति। योगमुद्रा यानी दोनों हाथों की अंगुलियों को परस्पर मिलाकर मस्तक झुकाकर ही दो हाथ जोड़कर रखना।

संतश्री ने विभिन्न मुद्राओं की जानकारी दी। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा. ने कहा कि जो मनुष्य तीर्थंकर की करुणा का पात्र बन जाता है, उसके सर्व दु:ख नष्ट हो जाते हैं, वह दु:खसागर से तैर जाता है। श्रीरामपुरम में संतश्री की निश्रा में 115 लोगों की सामूहिक अट्ठाई की तपस्या चल रही है। 26 को रथयात्रा व तपस्वियों का पैलेस ग्राउंड पर सम्मान होगा।

सिद्ध देवतत्त्व रूप तथा प्रकृति की सर्वोच्च शक्ति है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

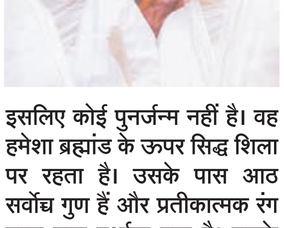

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवकार महामंत्र जाप 68 तीर्थ भावयात्रा के अंतर्गत सिद्ध पद की महिमा बताते हुए कहा कि सिद्ध देव तत्त्व रूप में भी माना जाता है। सिद्ध प्रकृति की सर्वोच्च शक्ति है। मोक्ष प्राप्त करने के बाद व्यक्ति सिद्ध हो जाता है। सिद्ध भी एक वीतराग और सार्वभौमिक पर्यवेक्षक है लेकिन धर्मोपदेश नहीं करता क्योंकि उनके पास कोई भौतिक शरीर नहीं है। वह संपूर्ण संतुलन, अनन्त शांति और आनंद में रहता है। वह पूर्ण गतिहीन आराम में रहता है।सिद्ध सब कर्मों से मुक्त है और सांसारिक आत्मा के रूप में रहने का कोई कारण नहीं है, इसलिए कोई पुनर्जन्म नहीं है। वह हमेशा ब्रह्मांड के ऊपर सिद्ध शिला पर रहता है। उसके पास आठ सर्वोच्च गुण हैं और प्रतीकात्मक रंग लाल द्वारा दर्शाया गया है। उसके पास आठ सर्वोच्च गुण हैं और प्रतीकात्मक रंग लाल द्वारा दर्शाया गया है।

मांगीलाल वेदमुथा ने बताया कि शुक्रवार को वरमालक्ष्मी के अवसर पर श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन रखा गया है। मेघराज भंसाली, कांतिलाल कंकुचोपडा, तिलोकचंद भंडारी, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, सुरेश वाणीगोता, ने एकासणा लाभार्थी रमेशकुमार उकचंद हरण परिवार का सम्मान किया।

प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एमसी लेआउट स्थित बालगंगाधरनाथ स्वामी खेल मैदान में एमसीसी विजयनगर द्वारा दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया। विधायक प्रियकृष्णा ने प्रतियोगिता की शुरुआत की। विशेष अतिथि महेन्द्र मुणोत ने विजेता टीम को सम्मानित किया।

सीरवी समाज बलेपेट में चन्द्रयान 3 की सफलता पर गूंजे देशभक्ति के नारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज ट्रस्ट कर्नाटक बलेपेट वडेर भवन आध्यात्मिक प्रवचन के दौरान इसरो के चंद्रमा मिशन चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग सफलता के उपलक्ष्य में उत्सव मनाया गया। उपस्थित जनों ने भारत माता के जयकारे लगाए तथा देशभक्ति के गीत गाकर अपनी खुशियां जाहीर की। वडेर के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि चन्द्रयान 3 की सफलता प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व एवं वर्ष का विषय है। सचिव अमराराम चोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस कार्यक्रम में कथा वाचक संत रामप्रकाश, सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, खेल मंत्री दुदाराम, सहकोषाध्यक्ष, लक्ष्मणराम पंवार, गोपाल सेंणचा, जगदीश चोयल, शेषाराम भायल, राजूराम बर्फा एवम पूर्व सचिव ओमप्रकाश बर्फा आदि सदस्य उपस्थित थे।

'नवकार महामंत्र सभी पापों का नाशक व मंगलभावों का जनक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्री व परमप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में चल रही नवकार महामंत्र की आराधना के दूसरे दिन तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि मंत्र जीवन का रहस्य होते हैं। इनका संबंध मन से होता है। आत्मशुद्धि मंत्र, मन के मंथन का ही परिणाम है। मन की सोई हुई शक्ति से मंत्र हमें परिचित कराते हैं और उन्हें जगाते हैं, इसीलिए वे असिद्ध को भी सिद्ध कर देते हैं। सामान्य मंत्रों की महिमा और शक्ति से बड़ी महिमा वाले मंत्र को महामंत्र कहा जाता है। उसकी शक्ति को शब्दों में परिभाषित करना कठिन है। महामंत्र हमारी चेतना की गति को परिवर्तित करते हैं। जैन धर्म में नवकार मंत्र को महामंत्र की श्रेणी में रखा गया है। इसके मंत्र राग या विराग नहीं, बल्कि साधक को वीतराग की ओर ले जाते हैं। जिस प्रकार वैष्णव धर्म में गायत्री मंत्र की एवं बौद्ध धर्म में त्रिसरण या त्रिराम मंत्र की महत्ता है, उसी प्रकार जैन धर्म में णमोकार महामंत्र की अत्यंत महत्ता है। जैन धर्म के अनुसार सभी देवों में श्री वीतराग देव को, सभी तीर्थों में श्री शत्रुंजय तीर्थ को और सभी मंत्रों में नवकार मंत्र को श्रेष्ठ माना गया है।

साध्वीश्री ने कहा कि नवकार मंत्र का प्रथम शब्द णमो है, जिसका अर्थ है नम जाओ। जो नमता है वही गुणों में रमता है और वही प्रभु को गमता है यानी प्रभु तक पहुँचता है। णमो शब्द का भावार्थ है अहंकार छोड़ो। इस नवकार मंत्र में कुल नौ पद हैं, इसीलिए इसे नवकार कहा जाता है। लेकिन नवकार का एक आशय नमस्कार भी है, इसलिए इसे नमस्कार मंत्र नाम से भी जाना जाता है। इस महासूत्र की विशेषता यह है कि यह अहंकार का विसर्जन करता है। इसमें व्यक्ति की पूजा नहीं, बल्कि गुणों की पूजा है।

इसमें व्यक्ति को नहीं, व्यक्तित्व को नमस्कार किया जाता है। इसमें परंपरा को नहीं, जो परम है उसकी प्रतिष्ठा की गई है। इसमें ज्ञान दर्शन और चरित्र को मान दिया गया है। इन्हीं कारणों से नवकार मंत्र को अन्य मंत्रों से श्रेष्ठ माना गया है। 'नमस्कार' सभी मंगल कार्यों में प्रधान, विश्व प्रेम का प्रतीक व सभी धर्मों का मूल है। इस महामंत्र में विश्व के तमाम अरिहंत देवों को नमस्कार किया है।

इसके आलम्बन से राग, द्वेष एवं मोह का क्षय होता है और शुभ भाव प्रकट होते हैं। यह महामंत्र सभी पापों का नाशक व सभी मंगल भावों का जनक है। इसके स्मरण मात्र से शांति की प्राप्ति होती है। इसकी आराधना को विश्व सुख का अद्वितीय कारण माना है।

चंद्रयान-3 की सफलता से चंद्रमा को आधार बिंदू के तौर पर इस्तेमाल करने की संभावना बढ़ी : कस्तूरीरंगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन ने बृहस्पतिवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता ने भविष्य के ग्रहीय मिशनों के लिए चंद्रमा को आधार बिंदू के तौर पर इस्तेमाल करने की संभावना को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता ने इस तरह के भविष्य के अन्वेषणों में भाग लेने के लिए भारत की साख को मजबूत किया है। कस्तूरीरंगन ने कहा कि चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक चंद्रमा पर उतारने, अन्वेषण की क्षमता, पूरी प्रक्रिया की समझ और इससे जुड़ी सभी चीजों ने इसरो को संपूर्ण क्षमता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भविष्य के ग्रहों के अन्वेषण मानव जाति की गतिविधियों पर हावी होने जा रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष कस्तूरीरंगन ने कहा कि नवीनतम चंद्र मिशन पिछले 50 वर्षों में इसरो की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि पहली बार आपने पृथ्वी के बाहर किसी वस्तु को सौर मंडल के किसी अन्य पिंड में उतारने की इसरो के अंतरिक्ष कार्यक्रम की क्षमता का व्यापक प्रदर्शन किया है। कस्तूरीरंगन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही अनोखी क्षमता है। उन्होंने कहा, दक्षिणी ध्रुव की खोज करना इस तथ्य के कारण बहुत महत्वपूर्ण है कि यहां सूरज की रोशनी ज्यादा नहीं आती, और चूंकि चंद्रमा ने दो अरब वर्षों के बाद विकसित होना बंद कर दिया, इसलिए दक्षिणी ध्रुव एक प्राचीन क्षेत्र है।

'मनुष्य की वाणी मधुर होनी चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि संसार में मनुष्य ही एक मात्र ऐसा प्राणी है, जिसका जहर उसके दातों में नहीं बल्कि उसकी बातों में होता है, इसलिए मनुष्य की वाणी हमेशा मधुर होनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि यदि दुनिया धोखा देने वाली है तो भी हमें अपनी अच्छाई नहीं छोड़ना चाहिए और हमेशा अपने अच्छे गुणों का पालन करना चाहिए। कभी भी किसी बजुर्ग व्यक्ति को उसके आसन से नहीं उठाना, वजल लेकर चलने वाले, गर्भवती महिला के लिए हमेशा रास्ता छोड़ना चाहिए। भूलकर भी देव प्रतिमा, दीपक व साधु की छाया पर पैर नहीं रखना चाहिए। सत्ताइस तीर्थ यात्रा का लाभ आरएच ग्रुप ने लिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com